

11 सनातन को मजबूत करने के लिए 'शस्त्र व शास्त्र' की...

12 बार-बार गुहार के बावजूद भी नहीं हो रहा...



SURAJ EDUCATION

SURAJ GROUP OF SCHOOLS



announces

Sunday
25
Jan. 2026

ADMISSION cum SCHOLARSHIP TEST

FOR CLASSES - 1st to 12th

All Campuses at 11:00 am

OUR DOCTORS

 AIIMS Bilaspur NEHA Mrs. KRIPA & Mr. AMARJEET	 AIIMS Gorakhpur GAURAV Mrs. PRIYANKA & Mr. VISHNU	 AIIMS Vijaypur, Jammu MAYANK Mrs. PAVITA DEVI & Mr. DEV PRAKASH	 AIIMS Guwahati DEEPANSHU Mrs. PINKY DEVI & Mr. NAVEEN
 AKANSHA Mrs. KUSUMLATA & Mr. JAI BHAGWAN	 PRIYANSHU Mrs. SANTOSH DEVI & Mr. DHIRU YADAV	 KHUSHI Mrs. POONAM DEVI & Mr. KULDEEP	 RUCHI Mrs. ANITA & Mr. PARVEEN
 DEEPIKA ANAND Mrs. SAVITA & Mr. VIKAS	 MEHA Mrs. SUNITA & Mr. AJAY	 NIKHIL Mrs. SUNITA DEVI & Mr. RAKESH	 MANISH K SAINI Mrs. SANJU & Mr. HORILAL SAINI
 RUBAAB KHAN Mrs. ANNAJ & Mr. MUSAQIB	 RIDHI GARG Mrs. SONU & Mr. AJAY KUMAR GARG	 PRINCE Mrs. REKHA & Mr. YOGESH SHARMA	 SANEHA YADAV Mrs. PANAN KUMARI & Mr. MUKESH KUMAR
 ADNAN Mrs. KHURSIDAN & Mr. MOHD IQBAL			

OUR IITIANS

 MANVIK K GUPTA Mrs. RATNA GUPTA & Mr. MANOJ K GUPTA	 ADITI YADAV Mrs. SUNITA KUMARI & Mr. KOMAL KUMAR	 HIMANSHI Mrs. BIMLA DEVI & Mr. PAWAN	 PUSHPRAJ Mrs. PUSHPA YADAV & Mr. RAJKARAN	 KARISHMA Mrs. SANJAY DEVI & Mr. PAWAN DAHIYA	 ADITYA KUMAR Mrs. SUNITA DEVI & Mr. JAIPAL SINGH	 KALPANA Mrs. SONU & Mr. OMPRAKASH	 IRFAN Mrs. SUSHIL & Mr. SHABIR MOHAMMAD	 ATUL Mrs. SUNITA & Mr. RAJKARAN PRAJAPATI	 TEJAL Mrs. SHARDA & Mr. VIJAY CHAND BANSARA
 AYUSHI TIWARI Mrs. SUDHA TIWARI & Mr. VINOD TIWARI	 TANUJ PAL Mrs. BEENA DEVI & Mr. SHIV DUTTA PAL	 PIYUSH KUMAR Mrs. ASHA DEVI & Mr. MUKESH K MEENA	 HIMANSHI Mrs. KAVITA & Mr. JAI SINGH	 AYUSH Mrs. MUKESH & Mr. RAVINDER	 NIKHIL SHARMA Mrs. PINKI DEVI & Mr. AJAY SHARMA	 NISHITHA Mrs. NAMITA & Mr. PARVEEN KUMAR	 LUCKY SINGH YADAV Mrs. BIRMATI YADAV & Mr. GAJENDER S YADAV	 SHIVA Mrs. SUMAN & Mr. INDERPAL	 AVIRAL Mrs. SHEEL KUMARI & Mr. AJAY KUMAR SINGH

सूरज के नवचयनित सीए

CA Final Examination

 Mrs. MINAXI & Mr. SUNIL KUMAR	 Mrs. BABITA BHARDWAJ & Mr. SHIVSHANKAR BHARDWAJ	 Mrs. MEENA SAINI & Mr. SUBHASH CHANDER	 Mrs. PRACHI JAIN & Mr. MANOJ JAIN	 Mrs. SUMAN DEVI & Mr. MANOJ AGARWAL	 Mrs. SANJU CHHAPOLIYA & Mr. VIJAY CHHAPOLIYA
-----------------------------------	---	--	---------------------------------------	---	--

C.A. INTERMEDIATE Qualifiers

 Mrs. JYOTI DEVI & Mr. MOHAN LAL	 Mrs. SUSHMA & Mr. ASHOK KUMAR	 Mrs. BABITA DEVI & Mr. BANNIWAS	 Mrs. NAMITA DEVI & Mr. NARESH AGARWAL
-------------------------------------	-----------------------------------	-------------------------------------	---

CSEET

 Mrs. ASHA & Mr. ROHTASH	 Mrs. HEENA GUPTA & Mr. SHIV BASHU GUPTA	 Mrs. PURPILA DEVI & Mr. HANSHU YADAV
-----------------------------	---	--

C.A. FOUNDATION

 Mrs. REKHA & Mr. RAJESH KUMAR	 Mrs. RITU SHARMA & Mr. LAXMAN SINGH	 Mrs. SEENA DEVI & Mr. DEEVENDR	 Mrs. SANGEETA GUPTA & Mr. RAJESH GUPTA	 Mrs. SAVITA KUMARI & Mr. ISHWAR YADAV	 Mrs. POONAM & Mr. RAJENDER SINGH
-----------------------------------	---	------------------------------------	--	---	--------------------------------------

 BACHOLI ROAD, MAHENDERGARH Tel: 9992715599, 9992716699	 DELHI ROAD, REWARI Tel: 999211451, 9992555815	 GUDIYANI ROAD, KOSLI Tel: 9050735235, 9053539083	 SECTOR-2, NEAR NH-8, BAWAL Tel: 8222959801, 9416184252	 ALWAR ROAD, BHIWADI Tel: 7230999911, 8222999802	 GURUGRAM ROAD, PATAUDI Tel: 8814008822, 8607335533
---	--	---	---	--	---

 SPR ROAD, SECTOR 75, GURUGRAM Tel: 8222959803, 8222999804	 SECTOR-56, GURUGRAM Tel: 8745912222, 8745913333	 2 ND MILE STONE, NARNAUL Tel: 9053539071, 9053539072	 SECTOR-19, REWARI Tel: 9992668855, 9992668877	 SECTOR 24 - DHARUHERA Tel: 9992114555, 9992115566	 SECTOR-1 - MANESAR Tel: 9992555966, 9992555967	 SECTOR-52, GURUGRAM Tel: 9992555961, 9992555962
--	--	--	--	--	---	--

Top Rankers... CLAT EXAM 2025

 DIVYA KHANNA Mrs. Sharada Devi & Mr. Mukesh Kumar	 JHANVI Mrs. Shikha Mittal & Mr. Sohan Lal	 ASHNA Mrs Santosh Devi & Mr. Anil Kumar	 USHA Mrs. Rajkumari & Mr. Anup Singh
 TANISHA Mrs. Babil & Mr. Vijay Kumar	 KHUSHI Mrs. Anita & Mr. Surender	 DRISHTI Mrs. Ritu & Mr. Vinay Kumar	 DEEPANSHI Mrs. Yogita & Mr. Mukesh Kumar

NDA Written Examination

 Qualifiers Mrs. ANITA DEVI & Mr. ANIL KUMAR	 Qualifiers Mrs. ANUJA & Mr. JOGINDER SINGH	 Qualifiers Mrs. REKHA & Mr. RAJ SINGH	 Qualifiers Mrs. SAROJ BALA & Mr. DINESH KUMAR
 Mrs. PUSHPA & Mr. RAKESH	 Mrs. SHEEL KUMARI & Mr. AJAY KUMAR	 Mrs. POONAM KUMARI & Mr. DEEPAK	 Mrs. PAYAL RANI & Mr. SURYAKANT
 Mrs. RAJ BALA & Mr. INDERJEET			

CBSE RESULT Class - 12th

Above 95% 26	Above 85% 270	Above 75% 662
------------------------	-------------------------	-------------------------

SUPERB SELECTIONS 2025

300+ NEET (UG)	280+ JEE MAINS	65+ IIT-JEE ADVANCED	90+ NDA WRITTEN	55 CA FOUNDATION & INTERMEDIATE
--------------------------	--------------------------	--------------------------------	---------------------------	---

Providing Special facility for best preparation of **JEE / NEET / NDA / CA-CPT / CLAT**

A.C. HOSTEL facility for boys & girls separately

at **MAHENDERGARH CAMPUS**

प्रकाशमय कल के लिए

इस साल लार्ज कैप फंड रहे विनर लेकिन स्मॉल कैप ने क्रिया निराश

■ लार्ज कैप ने निवेशकों को बेहतर सुरक्षा दी ■ रिटर्न के मामले में भी बाकी श्रेणी को पीछे छोड़ा ■ साल 2025 में बाजार में रहा उतार-चढ़ाव

हलवल @2025
बिजनेस डेस्क

साल 2025 ने म्यूचुअल फंड निवेशकों को एक साफ संदेश दिया है कि स्थिरता ही असली ताकत है। सालभर बाजार में उतार-चढ़ाव और सेक्टरल रोशन के बीच लार्ज कैप म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को न सिर्फ बेहतर सुरक्षा दी, बल्कि रिटर्न के मामले में भी बाकी कैटेगरी को पीछे छोड़ दिया। जहां लार्ज कैप फंड्स ने एक साल में औसतन 8.15% का रिटर्न दिया, वहीं स्मॉल कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे बड़ी निराशा साबित हुए। यह साफ करता है कि 2025 में क्वालिटी, साइज और बैलेंस शीट की मजबूती हर मायने में हाई-रिस्क कैटेगरी पर भारी है। कैटेगरी वाइज देखें तो लार्ज एंड मिड कैप फंड, मल्टी कैप और मिडकैप फंड्स 2-3% के दायरे में ही सिमट गए, जबकि टेक्नोलॉजी सेक्टर फंड्स में 6.79% की गिरावट ने निवेशकों को उम्मीदों को झटका दिया। इसके उलट बैंकिंग और ऑटो-ट्रान्सपोर्टेशन जैसे सेक्टरल फंड्स ने 17% से ज्यादा का दमदार रिटर्न दिया, जिससे यह साफ हुआ कि 2025 स्टॉक-सेलेक्टिव और सेक्टर-ड्रिवन साल रहा। लार्ज कैप स्पेस में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, मिराए एसेट, मोतीलाल ओसवाल और महेंद्रा मैनुलिव जैसे फंड्स ने 10-11% के आसपास रिटर्न देकर साल का अंत मजबूत नोट पर किया। कुल मिलाकर, 2025 का साल यह सबक देकर गया कि अनिश्चित बाजारों में लार्ज कैप फंड्स निवेशकों के लिए सबसे भरोसेमंद साथी साबित होते हैं।

लार्ज कैप फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो मुख्य रूप से बड़े मार्केट कैपिटलाइजेशन वाली कंपनियों में निवेश करता है, जो आमतौर पर देश की टॉप 100 कंपनियां होती हैं। ये कंपनियां अच्छी तरह से स्थापित, वित्तीय रूप से मजबूत और अक्सर अपने क्षेत्रों में बाजार के नेता होती हैं। लार्ज कैप फंड्स को स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाना जाता है, जो उन्हें रुढ़िवादी निवेशकों के लिए एक अच्छा विकल्प बनाता है।



लार्ज कैप फंड के फायदे

- स्थिरता:** लार्ज कैप कंपनियां बाजार में उतार-चढ़ाव के प्रति कम संवेदनशील होती हैं।
- सुरक्षित प्रदर्शन:** ये कंपनियां लंबे समय में स्थिर रिटर्न प्रदान करती हैं।
- निम्न जोखिम:** लार्ज कैप फंड्स में निवेश करने से जोखिम कम होता है।
- डिविडेंड आय:** कई लार्ज कैप कंपनियां नियमित डिविडेंड वितरित करती हैं।
- विविधीकरण:** लार्ज कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।

फ्लेक्सी-कैप फंड की पॉपुलैरिटी बढ़ी

फ्लेक्सी-कैप फंड्स का औसत रिटर्न ग्लोबल मूवमेंट के साथ बढ़ रहा है, लेकिन इसकी पॉपुलैरिटी बढ़ी है। फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12 महीनों में फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सभी इक्विटी कैटेगरी में सबसे ज्यादा निवेश आया है। पिछले 12 महीनों में इन फंड्स में करीब 75,700 करोड़ का नेट निवेश दर्ज किया गया। इस कैटेगरी में निवेशकों ने जो खरीदा, उसमें बने रहे। यह दिखाता है कि निवेशक अब सिर्फ बाजार से जुड़े विकल्पों में ज्यादा पैसा नहीं लगा रहे, बल्कि ऐसे फंड भी चुन रहे हैं जो डायवर्सिफिकेशन और लचीलापन दोनों देते हैं। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड बैंक डिपॉजिट पर बंद बन रहे हैं, फ्लेक्सी-कैप फंड्स आने वाले समय में लंबी अवधि में संपत्ति बनाने की इस कहानी के केंद्र में बने रह सकते हैं।

उच्च विकास क्षमता: स्मॉल कैप कंपनियों में उच्च विकास क्षमता होती है, जिससे उच्च रिटर्न मिल सकता है।
निम्न मूल्यांकन: स्मॉल कैप कंपनियों के शेयर अक्सर कम मूल्य पर उपलब्ध होते हैं, जिससे निवेश का लागत कम होती है।
विविधीकरण: स्मॉल कैप फंड्स विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करते हैं, जिससे जोखिम कम होता है।
लॉन्ग-टर्म ग्रोथ: स्मॉल कैप कंपनियों में लॉन्ग-टर्म ग्रोथ की संभावना अधिक होती है।

एक साल में कितना रिटर्न कैटेगरीवाइज

फंड	रिटर्न
लार्ज कैप	8.15%
लार्ज एंड मिड कैप	1.96%
फ्लेक्सी कैप	3.26%
मल्टी कैप	1.98%
मिड कैप	2.76%
स्मॉल कैप	-5.31%
वैल्यू ओरिएटेड	5.45%
इंफ्लैप्सस	3.52%
सेक्टरल-आटो एंड ट्रांसपोर्ट	17.32%
सेक्टरल-बैंकिंग	14.42%
सेक्टरल-फार्मा	0.04%
सेक्टरल-टेक्नोलॉजी	-6.79%
थिमैटिक	2.52%

उच्च जोखिम: स्मॉल कैप कंपनियों में जोखिम अधिक होता है, जिससे निवेश का मूल्य कम हो सकता है।
अस्थिरता: स्मॉल कैप शेयरों की कीमतें अधिक अस्थिर होती हैं, जिससे निवेश का मूल्य तेजी से बंदल सकता है।
लिविडिटी - स्मॉल कैप शेयरों में लिविडिटी कम होती है, जिससे निवेश को बेचना मुश्किल हो सकता है।

एक साल में टॉप लार्ज कैप फंड्स ये रहे

फंड्स	रिटर्न
आईसीआईसीआई प्रू	11.50%
निप्पोन इंडिया इंडेक्स निफटी-50	11.40%
मिराए एसेट	11.00%
मोतीलाल ओसवाल	10.73%
महेंद्रा मैनुलिव	10.59%
बजाज फिनसर्व	10.00%

टॉप लार्ज कैप म्यूचुअल फंड

- निप्पोन इंडिया लार्ज कैप फंड
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड
- एसबीआई ब्लूचिप फंड
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड
- डीएएसपी लार्ज कैप फंड

स्मॉल कैप फंड के नुकसान

स्मॉल कैप कंपनियों में जोखिम अधिक होता है, जिससे निवेश का मूल्य कम हो सकता है। स्मॉल कैप शेयरों की कीमतें अधिक अस्थिर होती हैं, जिससे निवेश का मूल्य तेजी से बंदल सकता है। स्मॉल कैप शेयरों में लिविडिटी कम होती है, जिससे निवेश को बेचना मुश्किल हो सकता है।



2025 चांदी ने दिया बंपर रिटर्न

■ निवेशकों ने 100 फीसदी से ज्यादा रिटर्न लिया ■ अब मुनाफा वसूल करें या निवेश बनाए रखें ■ चांदी की बढ़त ने सभी निवेशों को पीछे छोड़ा

साल 2025 में सिल्वर ईटीएफ ने जबरदस्त प्रदर्शन दिया है। इस

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

कितने के पास आए, तो खरीदारी का अच्छा मौका होगा।
आगे क्या होगा?

साल अब तक निवेशकों को 100 फीसदी से भी ज्यादा का रिटर्न मिल चुका है। चांदी की बढ़त ने बाकी सभी निवेशों को पीछे छोड़ दिया है। ऐसे में निवेशक इस उलझन में हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा वसूल लेना चाहिए (प्रॉफिट बुकिंग) या निवेश बनाए रखना चाहिए? बाजार के जानकारों की सलाह है कि अगर आपके पोर्टफोलियो में चांदी का हिस्सा तब सीमा से ज्यादा हो गया है, तो थोड़ा मुनाफा वसूल लेना चाहिए। अपने निवेश को संतुलित (रीबैलेंस) करने के लिए कुछ हिस्सा बेचकर वापस पुराने लक्ष्य पर आ जाना ही समझदारी है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

चांदी में आई 110-130% की भारी बढ़त के बाद मुनाफावसूली करना सही रहेगा। अपने मुनाफे का 25 से 33 फीसदी हिस्सा निकाल लें और जब बाजार ठिठके तो फिर से खरीदारी करें। 5 साल के नजरिए से निवेश करना अभी भी अच्छा है। बस इमोशनल होकर फैसला न लें और अनुशासन बनाए रखें। हालांकि मांग मजबूत है। लेकिन कम समय के लिए पैसा लगाने वालों को उतार-चढ़ाव से सावधान रहना चाहिए। वे सलाह देते हैं कि जो लोग ईटीएफ के जरिए चांदी में निवेश कर रहे हैं, उन्हें तेजी आने पर कुछ मुनाफा निकाल लेना चाहिए।

कितना दिया रिटर्न?

साल 2025 में अब तक सिल्वर ईटीएफ में औसतन 127.31% का रिटर्न दिया है। इस दौरान 21 अलग-अलग फंड्स ने 122% से लेकर 130% तक का मुनाफा कराया। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ 130.02% रिटर्न के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद एसबीआई सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने 129.46% का रिटर्न दिया। निप्पोन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने 127.61% और टाटा सिल्वर ईटीएफ ने करीब 122.68% का फायदा कराया।

क्या अब देर हो गई है?

अब उतने बड़े लेवल पर पैसा लगाना शायद सही न हो जितना कुछ महीने पहले था। चांदी आपके कुल निवेश का छोटा हिस्सा (5-9%) ही होनी चाहिए। नए निवेशकों को एक साथ सारा पैसा लगाने के बजाय किशतों (एसआइपी) में निवेश करना चाहिए। अभी देर नहीं हुई है, लेकिन एक साथ बड़ी रकम लगाने से बचें। अंतर चांदी के दम गिरकर 1,70,000 से 1,78,000 रुपये प्रति

जानकारों का कहना है कि अब, अगले साल शायद 2025 जैसी धमाकेदार बढ़त न मिले। मुनाफा धीरे-धीरे होगा और बीच-बीच में कीमतें गिरेगी भी। वहीं, निकुंज सराफ को उम्मीद है कि सोलर सेक्टर में बढ़ती मांग और दुनिया भर में सफाई की कमी को वजह से 2026 में भी चांदी की मजबूती बनी रहेगी।

क्या है सिल्वर ईटीएफ

सिल्वर ईटीएफ (एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड) एक प्रकार का निवेश साधन है जो चांदी की कीमतों पर आधारित होता है। यह एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों के साथ-साथ चलता है और निवेशकों को चांदी में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है।

सिल्वर ईटीएफ के फायदे

- चांदी में निवेश: सिल्वर ईटीएफ फंड में निवेश करने का एक आसान और सुविधाजनक तरीका है।
- लिविडिटी: सिल्वर ईटीएफ शेयर बाजार में सूचीबद्ध होते हैं, जिससे उन्हें आसानी से खरीदा और बेचा जा सकता है।
- निम्न लागत: सिल्वर ईटीएफ की लागत कम होती है, जिससे निवेशकों को अधिक रिटर्न मिल सकता है।
- विविधीकरण: सिल्वर ईटीएफ निवेशकों को अपने पोर्टफोलियो में विविधीकरण करने में मदद करता है।

सिल्वर ईटीएफ के नुकसान

- चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव: सिल्वर ईटीएफ की कीमतें चांदी की कीमतों पर आधारित होती हैं, जो उतार-चढ़ाव के अधीन होती हैं।
- जोखिम: सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से जोखिम होता है, क्योंकि चांदी की कीमतें भविष्य में कम हो सकती हैं।
- स्टोरेज और सुरक्षा: सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने से पहले निवेशकों को चांदी के स्टोरेज और सुरक्षा के बारे में विचार करना चाहिए [1][2][3]।

भारत में सिल्वर ईटीएफ

- कोटक सिल्वर ईटीएफ
- एसबीआई सिल्वर ईटीएफ
- एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल सिल्वर ईटीएफ
- यूटीआई सिल्वर ईटीएफ



छोटे व्यापारियों के लिए बेहद जरूरी है क्लाइमेट इंश्योरेंस

जलवायु परिवर्तन अब सिर्फ भविष्य की चिंता नहीं है, बल्कि यह छोटे व्यापारियों और दुकानदारों की रोजमर्रा की जिंदगी को सीधे प्रभावित कर रहा है। बाढ़, भीषण गर्मी, भारी बारिश और चक्रवात जैसी घटनाएं पहले के मुकाबले अधिक आ रही हैं और ज्यादा तीव्रता से हो रही हैं। इसका सबसे बड़ा असर देश के छोटे व्यापारियों और एमएसएमई के लिए खनाए गए हैं। इनमें से एक है पैरामीट्रिक इंश्योरेंस। यह पारंपरिक बीमा से अलग होता है, क्योंकि इसमें नुकसान का लंबा आकलन करने की जरूरत नहीं पड़ती। पैरामीट्रिक इंश्योरेंस में पहले से तय मौसम से जुड़े संकेतकों, जैसे तब सीमा से ज्यादा बारिश या तापमान बढ़ने पर, अपने आप मुआवजा सक्रिय हो जाता है। इससे बीमा राशि जल्दी मिल जाती है। यह व्यवस्था एमएसएमई के लिए इसलिफ फायदेमंद है, क्योंकि इसमें पुराने नुकसान के विस्तृत रिपोर्ट्स की जरूरत नहीं होती। इसे समझना आसान होता है और आपदा के समय तुरंत पैसा मिल जाता है। जब किसी आपदा के तुरंत बाद पैसा मिले जाते हैं, तो व्यापारी जल्दी मरम्मत करा सकते हैं, नया सामान ला सकते हैं और दोबारा काम शुरू कर सकते हैं। इससे उनकी आत्मविश्वास भी बना रहता है कि मुश्किल हालात में भी वे फिर से खड़े हो सकते हैं।

पैरामीट्रिक इंश्योरेंस

आज के समय में क्लाइमेट इंश्योरेंस के ऐसे समाधान भी मौजूद हैं, जो खास तौर पर छोटे व्यापारियों और एमएसएमई के लिए खनाए गए हैं। इनमें से एक है पैरामीट्रिक इंश्योरेंस। यह पारंपरिक बीमा से अलग होता है, क्योंकि इसमें नुकसान का लंबा आकलन करने की जरूरत नहीं पड़ती। पैरामीट्रिक इंश्योरेंस में पहले से तय मौसम से जुड़े संकेतकों, जैसे तब सीमा से ज्यादा बारिश या तापमान बढ़ने पर, अपने आप मुआवजा सक्रिय हो जाता है। इससे बीमा राशि जल्दी मिल जाती है। यह व्यवस्था एमएसएमई के लिए इसलिफ फायदेमंद है, क्योंकि इसमें पुराने नुकसान के विस्तृत रिपोर्ट्स की जरूरत नहीं होती। इसे समझना आसान होता है और आपदा के समय तुरंत पैसा मिल जाता है। जब किसी आपदा के तुरंत बाद पैसा मिले जाते हैं, तो व्यापारी जल्दी मरम्मत करा सकते हैं, नया सामान ला सकते हैं और दोबारा काम शुरू कर सकते हैं। इससे उनकी आत्मविश्वास भी बना रहता है कि मुश्किल हालात में भी वे फिर से खड़े हो सकते हैं।

सुरक्षा नहीं, बल्कि जरूरत बनाता क्लाइमेट इंश्योरेंस

क्लाइमेट इंश्योरेंस को अब सिर्फ एक अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि छोटे व्यापारियों के लिए एक बुनियादी सुरक्षा उपकरण के रूप में देखा जाना चाहिए। यह न सिर्फ उनकी आमदनी की रक्षा करता है, बल्कि आपदा के बाद जल्दी संभलने में भी मदद करता है। अचानक आने वाले जलवायु से जुड़े झटकों के बावजूद कारोबार को जारी रखने में यह अहम भूमिका निभाता है। बदलते मौसम और बढ़ती अनिश्चितताओं के दौर में छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के लिए क्लाइमेट इंश्योरेंस एक ऐसा सहारा बन सकता है, जो मुश्किल समय में उन्हें पूरी तरह टूटने से बचाए और फिर से आगे बढ़ने का भरोसा दे।

वर्ष 2025 का साल भारत के टैक्स सिस्टम के लिए काफी अहम रहा। सरकार ने जीएसटी में बड़ी कटौती की, इनकम टैक्स में छूट की लिमिट बढ़ाई गई और लोगों के हाथ में ज्यादा पैसे रहने देना का इरादा दिखाया। इसका मकसद था कि मुश्किल

वैश्विक हालात में घरेलू खपत बढ़े और अर्थव्यवस्था को सहारा मिले। विदेशी टैरिफ की अनिश्चितता के बीच ये बदलाव घरेलू मांग को मजबूत करने पर फोकस करते हैं। अब नजर कस्टम्स ड्यूटी को सरल बनाने और रेट कम करने पर है।

कम स्लैब और चीजें सस्ती

साल की सबसे बड़ी खबर रही जीएसटी में भारी बदलाव। 22 सितंबर से करीब 375 सामानों और सर्विसेज पर टैक्स रेट कम कर दिए गए। रोजमर्रा की चीजों पर बोझ कम हुआ और लंबे समय से चली आ रही इनफ्लेड इयूटी की समस्या भी काफी हद तक सुलझी। पहले जीएसटी में 5%, 12%, 18% और 28% के चार मुख्य स्लैब थे। अब इन्हें 5% और 18% के दो मुख्य रेट में समेट दिया गया है। हालांकि, तंबाकू, सिगरेट, सिगार, गुटखा, पान मसाला आदि पर 40% का हाई रेट रखा गया है। इस बदलाव से जीएसटी सिस्टम ज्यादा आसान और भरोसेमंद हो गया। सरकार का दावा है कि स्लैब कम होने से इनफ्लेड कम होगा और कंपायंस आसान। अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन रिपोर्ट 2.37 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा था, जबकि पूरे साल औसतन 1.9 लाख करोड़ रुपये रहा। लेकिन रेट कटौती के बाद थोड़ा ढबाव पड़ा और वीथी धीमी हुई।

कलेक्शन वर्ष के सबसे निचले स्तर पर

नवंबर में कलेक्शन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया, जो 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की तुलना में सिर्फ 0.7% की बढ़ोतरी थी। नवंबर को पहला महीना था जब सितंबर की कटौती का पूरा असर दिखा। फिर भी ये सुधार लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं। आम इस्तेमाल की चीजें सस्ती हुईं, जिससे खपत बढ़ने की उम्मीद है।

जीएसटी स्लैब और इनकम टैक्स में हुए बड़े बदलाव, मिडिल क्लास को राहत

इनकम टैक्स में राहत	टैक्स कलेक्शन धीमा
<ul style="list-style-type: none"> 4 से 8 लाख रुपये तक 5% 8 से 12 लाख रुपये तक 10% 12 से 16 लाख रुपये तक 15% 16-20 लाख रुपये पर 20% 20-24 लाख रुपये पर 25% 24 लाख रुपये से ऊपर 30% 	<ul style="list-style-type: none"> इन्फ्लेड टैक्स के मोहों पर भी सरकार ने हाथ खोले। इनकम टैक्स की छूट लिमिट बढ़ाकर मिडिल इनकम वालों को राहत दी गई। लोगों के पास ज्यादा डिपॉजिटल इनकम आए, खासकर शहरों में रहने वाले परिवारों को बड़ा फायदा हुआ। इससे खुद टैक्स देने की आदत भी मजबूत हुई। 2025 के बजट में नई टैक्स व्यवस्था में 12 लाख रुपये सालाना आय तक कोई इनकम टैक्स नहीं देने का फैसला हुआ। ये वो व्यवस्था है जिसमें कम रेट है लेकिन छूट या डिडक्शन का फायदा नहीं मिलता।
<ul style="list-style-type: none"> नवंबर में कलेक्शन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया, जो 1.70 लाख करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की तुलना में सिर्फ 0.7% की बढ़ोतरी थी। नवंबर को पहला महीना था जब सितंबर की कटौती का पूरा असर दिखा। फिर भी ये सुधार लोगों के लिए फायदेमंद साबित हो रहे हैं। आम इस्तेमाल की चीजें सस्ती हुईं, जिससे खपत बढ़ने की उम्मीद है। 	<ul style="list-style-type: none"> कस्टम्स ड्यूटी पर अब फोकस जीएसटी और इनकम टैक्स के बड़े सुधार हो जाने के बाद अब नजर कस्टम्स पर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि कस्टम्स को सरल बनाना सरकार का अगला बड़ा सुधार होगा। इनकम टैक्स जैसी पारदर्शिता और फेसलेस असेसमेंट कस्टम्स में लाना जरूरी है। साथ ही ड्यूटी रेट को रेशनालाइज करना भी। पिछले दो साल में कस्टम्स ड्यूटी लगातार



घटी है। लेकिन जहां रेट अभी भी ज्यादा है, उन्हें कम करना बाकी है। वित्त मंत्री ने कहा था, "कस्टम्स में अगला बड़ा क्लीन-अप काम है।" 2025-26 बजट में इंडस्ट्रियल गूड्स पर सात अतिरिक्त टैरिफ रेट हटाने का प्रस्ताव था, जिससे कुल स्लैब आठ रह गए। पहले 2023-24 में भी सात टैरिफ हटाए गए थे। एक्सपर्ट्स का मानना है कि टैट के बदलते पैटर्न, कंपायंस कॉस्ट और प्रोसेसर की दिक्कतों को देखते हुए कस्टम्स में सुधार जरूरी है।

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसों की जरूरत पड़े सात लाख को ऐसे करें निवेश, मिलेगा बड़ा फायदा, एक एफडी में लगाएं पैसे या फिर कई सारी का विकल्प बेहतर

फिक्स्ड डिपॉजिट निवेश के सबसे भरोसेमंद तरीकों में से एक

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन दोनों चाहिए, लेकिन उसे समझदारी से कहां निवेश किया जाए, यह फैसला उतना ही अहम होता है। आज के दौर में सिर्फ पैसे बचाकर रखना न तो सुरक्षित भविष्य की गारंटी देता है और न ही महंगाई को मात दे पाता है। मजबूत फाइनेंशियल कुशल बनने के लिए जरूरी है कि निवेश आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय के हिसाब से किया जाए। शेयर, इक्विटी म्यूचुअल फंड, पीपीएफ और सरकारी बचत योजनाओं जैसे कई विकल्प मौजूद हैं, लेकिन, इसके बावजूद बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी सुरक्षा और स्थिर रिटर्न चाहने वाले निवेशकों की पहली पसंद बने हुए हैं।

पैसा कमाने के लिए मेहनत और अनुशासन चाहिए

एफडी क्यों है सबसे भरोसेमंद विकल्प भारत में फिक्स्ड डिपॉजिट को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में गिना जाता है। क्योंकि इसमें पूंजी सुरक्षित रहती है और रिटर्न पहले से तय होता है। एफडी की ब्याज दर पर बाजार के उतार-चढ़ाव का असर भी नहीं पड़ता। साथ ही, डीआईसीजीसी इश्योरेस के तहत 5 लाख रुपये तक की जमा रकम सुरक्षित रहती है। इससे निवेशकों को अतिरिक्त भरोसा मिलता है। बैंक और एनबीएफसी 7 दिन से लेकर 10 साल तक की अवधि के लिए एफडी की सुविधा देते हैं। हालांकि, एफडी से बेहतर रिटर्न पाने के लिए सिर्फ पैसा जमा करना काफी नहीं होता, बल्कि सही अवधि और सही स्ट्रक्चर चुनना भी जरूरी रहता है।

एक एफडी या कई एफडी, किसमें फायदा

निवेशकों के मन में अक्सर यह उलझन रहती है कि पूरी रकम एक ही एफडी में लगाई जाए या उसे कई एफडी में बांट जाए। अब मान लीजिए आपके पास 7 लाख रुपये हैं, तो क्या 7 लाख की एक एफडी बेहतर है या 1-1 लाख की सात एफडी। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि अगर ब्याज दर समान है, तो मैट्योरिटी पर मिलने वाली कुल रकम दोनों ही मामलों में बराबर रहेगी। फर्क सिर्फ सुविधा, लचीलापन और जरूरत पड़ने पर पैसे निकालने की आसानी में होता है।

बड़ी एफडी के फायदे क्या हैं

एक बड़ी एफडी का सबसे बड़ा फायदा इसकी सादगी है। इसमें आपको सिर्फ एक ही डिपॉजिट करना होता है, एक ही मैट्योरिटी डेट होती है और ब्याज भी एक जगह ही जुड़ता है। निवेश को ट्रैक करना आसान रहता है, न तो कई एफडी रसीदें संग्रालने की इंडस्ट्री होती है और न ही अलग-अलग मैट्योरिटी याद रखने की जरूरत पड़ती है। जो निवेशक 'लगाओ और भूल जाओ' वाला तरीका पसंद करते हैं, उनके लिए यह विकल्प काफी सुविधाजनक माना जाता है। लंबी अवधि के लिए पैसा लॉक करने से ब्याज दर स्थिर रहती है और निवेशक बिना किसी रुकावट के मैट्योरिटी तक बेहतर रिटर्न हासिल कर सकते हैं। खासकर रिटायर्ड लोग या ऐसे निवेशक, जिनके पास पहले से इन्फ्लेक्सी फंड मौजूद है, उनके लिए एक बड़ी एफडी मानसिक शांति देने वाला विकल्प बन सकती है।

एक बड़ी एफडी के नुकसान समझना जरूरी

एक बड़ी एफडी की सबसे बड़ी समस्या तब आती है, जब अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाए। अगर आपके सिर्फ 50,000 रुपये चाहिए, तो आप आंशिक निकाली नहीं कर सकते। पूरी एफडी तोड़नी पड़ेगी, जिस पर पूरे अमाउंट पर पेनल्टी लगेगी और कुल रिटर्न घट जाएगा। इसके अलावा सुरक्षा का पहलू भी अहम है। भारत में डीआईसीजीसी नियमों के तहत एक बैंक में जमा राशि पर सिर्फ 5 लाख रुपये तक का ही इश्योरेस मिलता है। ऐसे में 7 लाख रुपये एक ही बैंक में रखने पर 2 लाख रुपये अनइश्योर्ड रह जाते हैं। जरूरत पड़ने पर पूरी रकम नहीं, सिर्फ एक एफडी तोड़नी पड़ती है, जिससे बाकी पैसा ब्याज कमाता रहता है। प्रीमैच्योर विड्रॉल की पेनल्टी सिर्फ उसी एफडी पर लागती है, पूरी रकम पर नहीं।



गुरु गोविन्द सिंह की जयन्ती मनाई
नारनौल। यदुवंशी डिग्री कॉलेज पटीकरा के प्राचार्य बजरंग लाल ने बताया कि आज हम सभी यहां सिखों के दसवें गुरु समाज सुधारक गुरु गोविंद सिंह महाराज की पावन जयंती के एकत्रित हुए हैं। यह दिन केवल एक जयंती नहीं बल्कि साहस, त्याग, समानता और मानवता के मूल्यों को स्मरण करने का दिन है। इस मौके पर यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि गुरुजी का जीवन अन्याय के विरुद्ध संघर्ष और मानवता की सेवा का अद्भुत उदाहरण है।

भव्य सत्संग हाल का किया लोकार्पण

नारनौल। दादी सती धाम बिगोपुर में राव हरिश्चंद्र आर्य चैरिटेबल ट्रस्ट नामपुर द्वारा दादी सती सेवा दल के तत्वावधान में एक भव्य सत्संग हाल का निर्माण करवाया गया है। राव हरिश्चंद्र आर्य की छठी पुण्यतिथि पर उनके सुपुत्रों महोपाचार्य आर्य व यशपाल आर्य के कर-कमलों से इस सत्संग हाल का लोकार्पण किया गया। राव हरिश्चंद्र आर्य द्वारा नामपुर में रहते हुए भी अपनी जन्मभूमि बिगोपुर में कुछ करने की इच्छा रखते हुए अपने गांव में अपनी जमीन पर आर्य समाज मंदिर और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन का निर्माण, शमशान भूमि की चारदीवारी का निर्माण, हर वर्ष आर्य सम्मेलन का आयोजन किया जाना, जैसे पुण्य के कार्य करवाए गए हैं।

विशेष चेकअप अभियान की बनाई रूपरेखा

नांगल चौधरी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एमएसओ डॉ. अशोक कुमार की अध्यक्षता में स्वास्थ्य कर्मचारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य फोकस क्षेत्र में महिलाओं में तैजी से बढ़ रही एनीमिया की समस्या रहा। उन्होंने एनीमिया को महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बताते हुए इसे जानलेवा खतरा करार दिया। साथ ही आशा वर्कर व एएनएम स्टॉफ को घर-घर विशेष जांच के दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकांश महिलाएं स्वास्थ्य को लेकर जागरूक नहीं जिस कारण उन्हें एनीमिया व अन्य बीमारियों की समस्या बढ़ सकती है। एनीमिया की वजह से गर्भावस्था के दौरान जटिलताएं बढ़ जाती हैं।

अपराध का मुख्य बिंदु सोशल मीडिया

नारनौल। कपिल हेलियंग फाउंडेशन की ओर से शनिवार सेनी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की प्रातः कालीन सभा में महिला सुरक्षा सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें महिला पुलिस थाना प्रभारी इंस्पेक्टर मंजू शाह, व पीएसआई मनीषा मौजूद रही। सेमिनार में महिलाओं की सुरक्षा के लिए जो कानून सरकार द्वारा बनाए गए हैं उनका सही उपयोग करने के लिए बताया गया। इस अवसर पर महिला थाना इंचार्ज ने बताया कि आजकल अल्प आयु में बच्चे वाहन पर चलते हैं जबकि विद्यालय बच्चों की उम्र 18 वर्ष नहीं होती। उनके पास ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं होता। जब कभी दुर्घटना होती है तो उन बच्चों के परिवारों पर बहुत बड़ा कष्ट पड़ता है। इसलिए वाहन चलाते समय अपने परिवार के सदस्यों को साथ रखें व हेलमेट पहन कर चले।

स्कूल में सम्मान कार्यक्रम आयोजित

मंडी अटेली। राजकीय माध्यमिक विद्यालय भीलवाड़ा में समाजसेवी कृष्ण जेलदार के सौजन्य से मेधा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षाविद हंसराज ने किया, जबकि संस्कृत अध्यापक रेखा बत्रा ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञ हवन के माध्यम से हुआ। बहादुर सिंह आर्य ने यज्ञ के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं शिक्षाविद डॉ. छत्र सिंह वर्मा प्रभाकर ने अपनी काव्य रचना के द्वारा छात्रों को निरंतरता और सार्थकता का पाठ पढ़ाया।

1912 पात्र किसानों को ट्र्यूबवेल कनेक्शन जारी

हरिभूमि न्यूज नारनौल

जिला महेंद्रगढ़ के लिए वर्ष 2025 ऊर्जा क्षेत्र में एक क्रांतिकारी बदलाव का वर्ष रहा है। हरियाणा सरकार के निर्देश पर बिजली निगम ने जिले की विद्युत प्रणाली को न केवल आधुनिक बनाया, बल्कि पीएम सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना और बुनियादी ढांचे के विकास के माध्यम से इसे भविष्य के लिए तैयार किया है।

उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने जिले की उपलब्धियों पर प्रकाश

डालते हुए बताया कि वर्ष 2025 में जिले ने सौर ऊर्जा और बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण में नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के तहत नारनौल सर्कल में अभूतपूर्व उत्साह देखा गया। जिला में 958 नए सौर कनेक्शन स्थापित किए जा चुके हैं। इस योजना के माध्यम से 901 लोगों को सब्सिडी वितरित कर मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों को आर्थिक राहत दी गई है। उन्होंने बताया कि जिले में कृषि क्षेत्र को मजबूती देते हुए 1912

पात्र किसानों को ट्र्यूबवेल कनेक्शन जारी किए हैं। इसके साथ ही, म्हारा गांव-जगमगा गांव योजना के तहत 370 गांवों में 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

लाभगम 74.58 करोड़ रुपए की लागत से ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली के पुराने तारों को बदलकर नई केबलिंग का कार्य अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया कि आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रिहायशी इलाकों के ऊपर से गुजरने वाली 504 लोकेशन से 11 केवी

बिजली नेटवर्क को बहुत मजबूती दी

बिजली निगम के अधीक्षक अभियंता जोगिंदर हुड्डा ने जिले के तकनीकी विकास पर विस्तृत जानकारी साझा करते हुए बताया कि वर्ष 2025 में ग्रिड प्रबंधन और लोड बैलेंसिंग पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि तकनीकी दृष्टि से देखें तो इस वर्ष हमने जिले के बिजली नेटवर्क को बहुत मजबूती दी है। नारनौल सर्कल के अंतर्गत सात नए 33 केवी सब-स्टेशनों—कोथल खुर्द, गिंबी छाजियावास, बलाना, देवास, कटकई, महरामपुर और विडालिया—को सफलापूर्वक चालू कर दिया गया है।

लाइनों को चिन्हित किया गया है। उनमें से 55 लोकेशन से तार हटा दिए गए हैं। नए साल में शेष 449 लोकेशन से लाइनें शिफ्ट करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि कोरियावास में डिकल कॉलेज के लिए समर्पित 33 केवी की नई लाइन का निर्माण कार्य भी जारी है, जो स्वास्थ्य सेवाओं को निर्बाध ऊर्जा प्रदान करेगा।

जिले के 65 फीसदी किसानों ने करवाया फसलों का पंजीकरण

1.39 लाख एकड़ जमीन बिना पंजीकरण रहने के आसार

पंजीकरण में महेंद्रगढ़ ब्लॉक सबसे आगे रहा

हरिभूमि न्यूज मिनामपुर

किसानों की विभिन्न फसलों को समर्थन मूल्यों पर खरीदने के लिए सरकार ने मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल लांच किया है। बीते चार/पांच सालों से पोर्टल पर पंजीकृत किसानों की फसल खरीद हो रही है लेकिन अब पोर्टल से लोगों का रुझान घटना आरंभ हो गया है। करीब दो महीने में 65 फीसदी किसानों ने 2.42 लाख एकड़ रकबे पर पंजीकरण कराया है। अभी भी 1.39 लाख एकड़ से अधिक जमीन अन रजिस्टर्ड है, जिसे पोर्टल पर अपलोड करने में किसानों की बेरुखी देखने को मिल रही है।

बता दें कि किसानों को फसल का उचित भाव देने के लिए सरकार हर साल एमएसपी निर्धारित करती है। खरीद प्रक्रिया

को पारदर्शी बनाने के लिए मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल लांच कर दिया। पोर्टल पर रबी और खरीफ सीजन की सभी फसलें अपलोड हैं, किसानों को विभिन्न फसल के कॉलम पर टिक करके बीजाई किया गया रकबा पंजीकृत करना है। पंजीकृत रकबे पर मार्केटिंग बोर्ड प्रति एकड़ पर खरीद का टारगेट निर्धारित करके टोकन रिलीज कराया। इसके लिए विभाग ने करीब दो महीने पहले पोर्टल की साइट को ओपन किया था। शत प्रतिशत रकबे को पोर्टल पर पंजीकरण कराने के लिए विभागीय अधिकारियों ने गांव-गांव जाकर किसानों को जागरूक भी किया, सकारात्मक रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। क्योंकि अभी तक पूरे जिले के 65.25 फीसदी किसानों ने मात्र 242468 एकड़ पर फसलों का ब्योरा दर्ज कराया है। जबकी

महेंद्रगढ़ ब्लॉक के किसान आगे, सतनाली के पिछड़े

ब्लॉक	पंजीकृत जमीन (एकड़ में)	किसान
अटेली	2713	11125
कनीना	45592	17277
महेंद्रगढ़	61001	21304
नांगल चौधरी	26267	11757
नारनौल	50006	13711
सतनाली	22307	7361

नियमों की सख्ती से फर्जी पंजीकरणों पर लग

कृष विभाग के डीएसडी हरीश यादव ने बताया कि फसल पंजीकरण के लिए प्रत्येक गांव में जागरूकता अभियान चलाया गया था। किंतु गांव वाइज कई जमीन मालिक बाहर रहते हैं, पीपीपी की अनिवार्यता होने से उनकी जमीन पंजीकृत नहीं हो पाती। इस फर्जीवाड़े पर अंकुश लगाने से भी शत प्रतिशत टारगेट अचीव नहीं हो पाया है। अभी पंजीकरण कराने की प्रक्रिया चालू है, ऐसे में पंजीकृत रकबा बढ़ने की उम्मीद है।

राजस्व विभाग के अनुसार 382288 एकड़ पर पंजीकरण होना चाहिए था। हालांकि पोर्टल पर 31 दिसंबर तक पंजीकरण कराने की प्रक्रिया चलेगी, किंतु धीमी रफ्तार

होने के कारण शत प्रतिशत रकबा कवर होने के आसार नहीं लगते। 1.39 लाख एकड़ जमीन पर बोर्डेड गई फसल को समर्थन मूल्यों पर बेचना संभव नहीं हो पाएगा।

फसलों की एमएसपी भी बहुत कम

धोलेड़ा, भुंगारका, दाला, नांगल कालिया, मेघोत हाला, कावी, सिरौडी बहाली के किसानों ने कम पंजीकरण होने के संदर्भ में जागरूकता का आभाव और फसलों की एमएसपी को भी कम बताया है। उन्होंने तर्क दिया कि बीते 2/3 साल से खुले बाजार और सरकारी खरीद के भावों में कोई विशेष अंतर नहीं रहता है। जिस कारण लोग मंडी में टोकन प्रक्रिया व तुलनाई की समस्या भी नहीं झेलना चाहते और ग्रामीण सौदागरों को जीस बेच देते हैं। इसके अलावा विभागीय स्तर पर जागरूकता के प्रयास भी पूरी सघनता से नहीं होते।

एचपीएस में 'जीनियस-30' स्कॉलरशिप परीक्षा आज

हरिभूमि न्यूज नारनौल

नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में सत्र 2026-27 के लिए जीनियस-30 स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन 28 दिसंबर को प्रातः 9:30 बजे किया जाएगा। इस परीक्षा में दसवीं कक्षा के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। विद्यालय के प्राचार्य सुनील यादव एवं डीन मनोज भारद्वाज ने बताया कि परीक्षा के लिए अब तक 2000 से अधिक रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। साथ ही विद्यार्थियों के लिए ऑन-सॉट रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। विद्यालय के निदेशक पुष्कर मल वर्मा ने बताया कि स्कॉलरशिप टेस्ट का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है। प्रतियोगिता में सफल विद्यार्थियों को शत-प्रतिशत ट्र्यूथन फीस में छूट दी जाएगी। परीक्षा में विद्यार्थियों से उनकी कक्षा में पढ़े गए विषयों से संबंधित प्रश्न ही पूछे जाएंगे। इसके साथ-साथ विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए विशेष करियर गाइडिंग कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा, जिसका उद्देश्य



2000 से अधिक छात्रों ने करवाया पंजीकरण

विद्यार्थियों को उनकी रुचि, क्षमता एवं योग्यता के अनुसार सही करियर का चयन करने में सहायता प्रदान करना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न विषयों जैसे विज्ञान, कॉमर्स, मानविकी, प्रतियोगी परीक्षाएं, प्रोफेशनल कोर्सेज एवं भविष्य के उभरते करियर विकल्पों के बारे में अनुभवी शिक्षाविदों एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत जानकारी दी जाएगी। विशेषज्ञ विद्यार्थियों को करियर की संभावनाओं, आगे की पढ़ाई, प्रवेश परीक्षाओं, स्कॉलरशिप अवसरों तथा रोजगार के क्षेत्रों से अवगत कराएंगे, जिससे विद्यार्थी भ्रम से मुक्त होकर अपने भविष्य के लिए सही दिशा और ठोस लक्ष्य निर्धारित कर सकें।

अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ ने की बैठक

नारनौल। भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष आशीष गोरा ने बताया कि अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ की बैठक प्रबंधक निदेशक उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम मनीराम शर्मा की अध्यक्षता में पंचकूला कार्यालय में हुई, जिसमें विभाग की तरफ से मुख्य अभियंता प्रशासन मुकेश चौहान, कंपनी सेक्रेटरी राजेश खंडेलवाल, एफए हेड क्वार्टर हीरा लाल, अंडर सेक्रेटरी दीपेश्वरी रावत और एसई/एमएम एसएस दुल व संगठन की तरफ से प्रदेश महामंत्री भारतीय मजदूर संघ हवासिंह मेहला, प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश बालू, अनुबंधित विद्युत कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष जसविंदर दूहन, उपाध्यक्ष बलिनंद सिसमोर, महामंत्री जीवन ठाकुर, संगठन मंत्री रविंद्र हुड्डा, प्रदेश सचिव राज ठाकुर, प्रदेश सलाहकार सुनील राणा आदि मौजूद रहे।

यदुवंशी स्कूल में हिन्दी निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज महेंद्रगढ़

यदुवंशी स्कूल में विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता और लेखन कौशल को निखारने के उद्देश्य से निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के विषय पर्यावरण संरक्षण, डिजिटल इंडिया, अनुशासन का महत्व, मेरा आदर्श जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल थे। विद्यार्थियों ने अपने विचारों को स्पष्ट, सुंदर और प्रभावशाली लेखन में प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन विद्यालय के अनुभवी शिक्षकों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में चयनित विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन एवं



महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि आज मुझे यह देखकर अत्यंत गर्व हो रहा है कि आप सभी ने निबंध लेखन प्रतियोगिता में पूरे मनोयोग और आत्मविश्वास के साथ भाग लिया। इस अवसर पर रामस्वरूप डीपीई, विकास, नवीन, सुनील कुमार बाबूजी, ज्योति, प्रियंका, कलावती, सोहन आदि अध्यापक गण उपस्थित रहे।

इन्होंने दी शुभकामनाएं

इस अवसर पर वाइस-चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस-चेयरमैन संगीता यादव, गुण निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र सिंह यादव ने सभी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया व उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

स्कूल ड्रेस वितरित की



नारनौल। बच्चों को स्कूल ड्रेस वितरित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। राजकीय कन्या उच्च विद्यालय बसीरपुर में संस्कृत अध्यापक डॉ. वीरेंद्र कुमार शास्त्री ने प्रतिवर्ष की तरह पूर्ण गणवेश (स्वेटर, जूते, पोशाक आदि) वितरित की गई। इस अवसर पर स्कूल इंचार्ज गणित अध्यापक महलना सुशीला देव ने कहा जो मनुष्य अपने पुरुषार्थ से कमाए हुए धन का दसवां भाग दान देता है तो इससे मनुष्य का निश्चित रूप से कल्याण होता है। वेदों में भी कहा गया है कि शत हस्त समाहारः सहस्र हस्त संकीरः अर्थात् है मनुष्य! सौ हाथों से कमाए और हजार हाथों से खिंचे। अर्थात् अधिक दान कर। इस अवसर पर डॉ. वीरेंद्र कुमार शास्त्री ने कहा अध्यापक विद्या दान देता है। छात्रों का सर्वांगीण विकास करता है। साथ ही माता-पिता की तरह विद्यार्थियों का संरक्षण भी करता है। इस अवसर पर रामस्वरूप डीपीई, विकास, नवीन, सुनील कुमार बाबूजी, ज्योति, प्रियंका, कलावती, सोहन आदि अध्यापक गण उपस्थित रहे।

हरिभूमि न्यूज कनीना

ऋषियों की तपोभूमि 'भारत' ने मानवता को दसवां दर्शन प्रदान किया है। जिसे मनुष्य के सामूहिक जीवन जीने की पद्धति और अधिक शक्तिशाली हुई है। यह विचार डॉ सूबे सिंह सत्यदर्शी ने कनीना में आयोजित पत्रकार सम्मेलन के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अनादिकाल से संचालित सनातन धर्म आज भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है, भले ही इससे विभिन्न धर्मों की शाखाएं प्रस्फुटित हुई हैं। उन्होंने कहा कि काफी उतार-



कनीना। सनातन धर्म को सुदृढ़ बनाने के लिए जानकारी देते डॉ सूबेसिंह सत्यदर्शी व अन्य। फोटो: हरिभूमि

चढ़ाव आने के बाद भी भारतीय संस्कृति विश्व में महान रही है। सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए उनकी ओर से समाज में 'शाख व शाखा' की शिक्षा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि संस्कृति की जीवन्त शक्ति धर्म है, धर्म के बिना संस्कृति निर्जीव हो जाती है और धर्म की आत्मा दर्शन है। दर्शन वही है जो वास्तविक

समय, साधन और सिद्धांत पहले से होते हैं निश्चित

आकाश के नीचे और पृथ्वी के ऊपर, किसी भी कर्म के घटित होने के लिए चार तत्व कारण, समय, साधन और सिद्धांत पहले से निश्चित होते हैं। बिना कारण कोई कार्य नहीं किया जा सकता। व्यक्ति को पूर्णता प्राप्त होने के बाद ईश्वर द्वारा दिव्य शरीर प्रदान किया जाता है। उसी दिव्य शरीर के माध्यम से बर्तों के बीच तात्कालिक यात्रा संभव होती है। उन्होंने कहा कि हम पृथ्वी पर केवल इद्रिय-भोग, मरने-मारने, अत्याचार करने, स्वर्ग, नरक, मोक्ष तथा लोक-परलोक के लिए नहीं बल्कि पृथ्वी पर पूर्णता की प्राप्ति के लिए आए हैं। इस मौके पर कमलेश वशिष्ठ, डॉ राजेश त्रिपाठी, मुकेश शर्मा उपस्थित थे।

कर प्रत्येक व्यक्ति जिन्दगी को उत्सव बनाकर हर पल का आनन्द ले। उनका मानना है कि ईश्वर कण-कण में नहीं है, किंतु कण-कण ईश्वर का ही है। मानव का अस्तित्व तीन आयामों में विकसित होता है, शरीर, प्राण और आत्मा। संसार उन शक्तियों द्वारा संचालित होता है जो चतुर्थ आयाम में कार्य करती हैं, जो इंद्रिय बोध से परे हैं। इसी प्रकार आत्मा है, पर प्रत्येक

जीव में आत्मा नहीं है। जो प्राणी दुराचारी एवं हिंसा को बढ़ावा देते हैं उनमें 'दया-आत्मा' नहीं मानी गई है। मोक्ष भी अमरता, स्वर्गत्रता, अधिकार और परमानंद ये चारों एक साथ विद्यमान माने गए हैं। पूर्णता प्राप्त होने तक मनुष्य जन्म लेता रहता है। उनके विचार में 'स्वर्ग' और 'नरक' कोई दूर के लोक नहीं हैं। वे यहीं पृथ्वी पर विद्यमान हैं।

जिले में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और जान-माल की सुरक्षा के मद्देनजर आदेश जारी

हरिभूमि न्यूज | नारनौल

जिला पुलिस ने भारी वाहनों के लिए नए ट्रैफिक निर्देश जारी किए हैं। भारी वाहनों पर अब जिला में लिंक मार्ग पर प्रवेश और शहर में ओवरटेकिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है। पुलिस ने यह कदम जिले में यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाने, सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और जान-माल की सुरक्षा के मद्देनजर हरियाणा पुलिस अधिनियम, 2007 की धारा 71 के तहत उठाए हैं। पुलिस प्रशासन के संज्ञान में आया था कि खनन सामग्री ढोने वाले ओवरलोड भारी वाहन मुख्य मार्गों की बजाय लिंक या स्थानीय सड़कों का उपयोग कर रहे हैं, जिससे न केवल सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं बल्कि गहरे गड्ढों के कारण जानलेवा दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। इस देखते हुए, अब जिला में प्रवेश करने और बाहर जाने वाले भारी वाहनों, विशेषकर खनन सामग्री ले जाने वाले डंपरों के लिए रूट डायवर्जन निर्धारित किया गया है।

खबर संक्षेप पांचवां निःशुल्क नेत्र जांच एवं उपचार शिविर आज

नारनौल। बाबा निहालचंद सेवादल पटीकरा एवं सिटी किड्स प्ले स्कूल नांगल चौधरी के संयुक्त तत्वावधान में पांचवां निःशुल्क आंखों का जांच एवं उपचार शिविर आयोजित किया जा रहा है। संस्था से संदीप राव ने बताया कि यह शिविर मिश्री देवी हॉस्पिटल बहरोड़ के सहयोग से लगाया जाएगा। संस्था सदस्य रंजीत सिंह एवम रिंकू सैनी ने बताया कि नेत्र शिविर 28 दिसंबर रविवार को सुबह 9.30 बजे गांव थनवास के काव्या गार्डन में आयोजित होगा।

पशु बाड़े से बाइक और केबल चोरी

महेन्द्रगढ़। शहर के पंचमुखी हनुमान मंदिर मार्ग पर बीती रात अज्ञात चोरों ने एक पशु बांधने बाड़े में से खड़ी एक बाइक और ट्यूबवेल की कीमती केबल चोरी कर ली। पीड़ित प्लांट मालिक नारायण सैनी ने बताया कि वे प्रतिदिन की तरह शुकुरवार रात करीब 10 बजे अपने पशुओं को संभालकर सो गए थे। देर रात अज्ञात चोर बाड़े के अंदर घुसे और वहां खड़ी उनकी पुरानी बाइक पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने केबल बाइक ही नहीं चुराई, बल्कि कुएं पर लगे ट्यूबवेल की केबल को भी काट लिया। चोर वहां पड़ी पुरानी केबल भी अपने साथ समेट ले गए।

बोलोरो सवार युवकों पर जानलेवा हमला

महेन्द्रगढ़। गांव जांजड़ियावास डिंग के पास बोलोरो सवार पांच युवकों पर करीब 20-25 लोगों ने हमला कर दिया। हमलावरों ने न केवल पीड़ितों की गाड़ी को टक्कर मारकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त किया, बल्कि लाठी-डंडों, रॉड और फरसों से हमला कर एक युवक को मरणान्तर स्थिति में जोहड़ में फेंक दिया।

दोपहिया वाहन की टक्कर में 3 घायल

कनीना। कनीना-नारनौल सड़क मार्ग पर फिलिंग स्टेशन सुंदरह के समीप टूटी सड़क के कारण दो दोपहिया वाहनों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में तीन व्यक्ति घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए महेन्द्रगढ़ अस्पताल में दाखिल कराया गया। जहां उनकी हालत में सुधार बताया गया है।



कनीना। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो: हरिभूमि

चोरी के 5 आरोपित गिरफ्तार कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा

कनीना। शहर में बिजली गोदाम से बीती 23 दिसंबर को बिजली उकचरण चोरी करने के आरोप में सिटी पुलिस ने कार्यक्रम हॉटस्पॉट के तहत पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। थाना इंचार्ज संदीप कुमार ने बताया कि चोरी वाले दिन सुबह-सुबहे ही उनके पास इलेक्ट्रिसिटी कर्मियों की ओर से सूचना प्राप्त हुई थी। उसी दौरान उन्होंने तत्परता से मौका निरीक्षण कर चोरों को वाहन समेत काबू करने का प्रयास किया, जो कुछ देर बाद ही गाड़ी सहित पुलिस के चंगुल में फंस गए। पुलिस ने उनको काबू कर एसडीजेएम कोर्ट में पेश किया और पांच दिनों के पुलिस रिमांड पर लिया गया था। रिमांड के दौरान पुलिस ने चोरी की घटना में शामिल एक गाड़ी, बिजली के बेलन सहित अन्य उपकरण भी बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपित राजस्थान के जयपुर के रहने वाले बताए गए हैं। जिन पर पहले से आपराधिक मुकदमें दर्ज हैं। थाना इंचार्ज ने बताया कि पकड़े गए सभी आरोपितों को शनिवार को कनीना कोर्ट में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

भारी वाहनों को अब नेशनल हाईवे पर चलना होगा, लोकल रूट 'नो ओवरटेकिंग जोन' घोषित, 1 जनवरी से आदेश होंगे लागू

एक माह तक कैद व 10 हजार रुपये तक जुर्माना

आदेशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि महेन्द्रगढ़ शहर के अधिकार क्षेत्र, परिधीय सड़कों और बाईपास आदि पर भारी वाहनों द्वारा ओवरटेकिंग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी और इन सड़कों को 'नो ओवरटेकिंग जोन' घोषित किया गया है। इन आदेशों की अहमदगी करने वालों के खिलाफ हरियाणा पुलिस अधिनियम, 2007 की धारा 72 के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें छह महीने तक की कैद और दस हजार रुपये तक के जुर्माने के साथ-साथ मोटर वाहन अधिनियम के तहत अतिरिक्त दंड का प्रावधान है।



नारनौल। कुलताजपुर रोड से आता भारी वाहन, 1 जनवरी से होगी नो-एंट्री। फोटो: हरिभूमि

क्या कहते हैं डीएसपी

डीएसपी सुरेश कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ की ओर से यह आदेश जारी कर दिए गए हैं। अक्सर देखा गया है कि राजस्थान से आने वाले भारी वाहन जिला के लोकल रूट का इस्तेमाल करते हैं। इससे सड़कें तो टूट रही हैं, साथ ही लोकल रूट पर ओवरटेकिंग करने से हादसों बढ़ने की संभावना बनी रहती है। लोकल रूट की बजाय ऐसे भारी वाहन नेशनल हाईवे सड़क मार्ग का प्रयोग करें। यह आदेश जनहित में एक जनवरी को लागू होगा। हालांकि आम जनता की सुविधा को देखते हुए आवश्यक वस्तुओं, जैसे दूध, सब्जियां, दवाइयां, चिकित्सा उपकरण और जल्दी खराब होने वाले खाद्य पदार्थों की दुलाई करने वाले वाहनों को इन प्रतिबंधों से मुक्त रखा गया है।

यह किए 'नो एंट्री' क्षेत्र घोषित

पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार के मुताबिक नए आदेशों के अनुसार कुलताजपुर रूट (कुलताजपुर-नारनौल बाईपास) को भारी वाहनों के लिए 'नो एंट्री' क्षेत्र घोषित किया गया है। राजस्थान से आने वाले वाहन अब इस रास्ते की बजाय निजामपुर रूट से प्रवेश करेंगे। इसी प्रकार, हसनपुर चौक से रामबास मार्ग भी बंद रहेगा और वाहन अब टिब्बा बसाई व निजामपुर होकर आ सकेंगे। इसके अतिरिक्त, भेडन्टी रूट (भेडन्टी-नांगल चौधरी) को भी बंद किया गया है; यहां से गुजरने वाले वाहन अब राजस्थान में देवास-पुनियाला बहरोड़ रूट और दिल्ली-जयपुर हाईवे से होकर घनवर-11 पर एगिजेंट करेंगे। प्रशासन का मानना है कि इससे स्थानीय सड़कों को टूटने से बचाया जा सकेगा और पुलिस बल का अनावश्यक प्रयोग भी कम होगा।

बार-बार गुहार के बावजूद भी नहीं हो रहा समाधान

रेलवे अंडरपास में भरे पानी ने ली महिला की जान!, लोगों में रोष

सीआईए रोड ही नहीं, महिला कॉलेज के पास बने अंडरपास में भी लंबे समय से भरा रहता है पानी

हरिभूमि न्यूज | नारनौल

रेलवे अंडरपास में बने पानी ने शहर की एक महिला की जान ले ली है। महिला सीआईए रोड पर बने रेलवे अंडरपास से अपने बेटे के साथ मोटरसाइकिल पर बैठकर कहीं जा रही थी, तब अंडरपास में भरे पानी से उन्हें गुजरना पड़ा था। अंडरपास के भरे पानी में बना गड्ढा उन्हें दिखाई नहीं दिया और बैलेंस बिगड़ने से पीछे बैठी महिला उसमें गिर गईं। गिरने पर उसे सिर में चोट लगी तथा अब उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।



नारनौल। सीआईए रोड अंडरपास में भरा पानी व (इनसेट में) मृतका कमला। फोटो: हरिभूमि

अंडरपास से गुजर रहे थे, तब पानी में बने गड्ढे के कारण बाइक का बैलेंस बिगड़ गया और कमला वहीं पर गिर गईं। कमला के सिर में भी लग गई, जिस पर उसे इलाज के लिए नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीरावस्था के चलते उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। इस पर परिजन कमला को एक प्राइवेट अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे दो दिन तक भर्ती रखा, लेकिन सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ। इस पर उसे पीजीआईएमएस रोहतक ले जाया गया।

लोग जता रहे नाराजगी

जब शहर में घटित यह घटना सोशल मीडिया पर वॉयरल हुई तो लोगों में रोष फैल गया। लोगों ने न केवल स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों एवं नगर परिषद को आड़े हाथों लिया, बल्कि उन्होंने रेलवे अधिकारियों को भी नहीं बख्शा। मोहनलाल कोलियाण निवासी मीमसिंह प्रजापत, नलापुर निवासी प्रभास छक्का, उमाकांत छक्का, पार्षद देवेद आदि ने बताया कि इस समस्या को वह प्रशासनिक अधिकारियों के सामने कई बार रख चुके हैं, लेकिन न तो जनस्वास्थ्य विभाग जागा और न ही नगर परिषद या प्रशासन के अधिकारी। इस कारण अब एक महिला की जान चली गई है, जबकि यहां गुजरने वाले अनेक लोग चोटिल भी हो चुके हैं। पैदल राहगीरों को भी इस पानी में से गुजरना पड़ता है। ठंड में लोगों के जूते एवं कपड़े इत्यादि इसमें भीग जाते हैं और उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। यह समस्या अकेले सीआईए रोड फाटक की नहीं, बल्कि महिला कॉलेज वाले अंडरपास की भी है, लेकिन बार-बार कोशिश के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही।

यह बोले रेलवे सेवधान इंजीनियर

इस समस्या से रेलवे ही नहीं, स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी भी वाकिफ हैं। डीसी, एडीसी एवं एसडीएम भी मौका देख चुके हैं। सीआईए रोड एवं महिला कॉलेज रोड समेत कई अंडरपास में जमीन से पानी निकलता है। इस पानी की निकासी के इंतजाम भी किए गए हैं, लेकिन फिर से पानी भर जाता है। इसकी फाइनल हेड वॉटर लेवल पर चली हुई है और अगले 20 दिन बाद इस पर काम शुरू होने की संभावना है। शीघ्र ही इसका स्थाई समाधान किया जाएगा और वाटरप्रूफ ट्रीटमेंट किया जाएगा। -जितेंद्र गुर्जर, सेवधान इंजीनियर, रेलवे वर्क्स, नारनौल

टीनशेड के पाइप से फंदा लगाकर युवक ने मौत को गले लगाया

नारनौल। नजदीकी गांव ढाणी कोजिंदा में मामा के घर आए अलवर जिला के गांव प्रतापसिंहपुरा निवासी करीब 23 वर्षीय युवक सुनील ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। करीब तीन महीने पहले सुनील अपने गांव प्रतापसिंहपुरा से ढाणी कोजिंदा आया था और अपने मामा नेतराम के पास रहने लगा था। उसके पिता की मौत पहले ही चुकी है तथा वह शराब पीने लगा था। आचरण सुधारने एवं काम धंधा कराने के उद्देश्य से उसे कोजिंदा की ढाणी में रखा गया था, लेकिन बीते दिवस दोपहर को उसने घर पर बने पशुओं की टीनशेड के पाइप से फंदा लगाकर मौत को गले लगा लिया। उस वक्त घर पर कोई नहीं था। परिवार के पुरुष कमाने के लिए घर से बाहर थे, जबकि महिलाएं पशुओं के लिए चारा लेने खेतों में गईं थीं। जब परिवार का एक लड़का स्कूल से आया और वह सुनील का मोबाइल इस्तेमाल करने के लिए उपकरण पास घर गया, तब उसे सुनील फंदे पर लटका दिखाई दिया, जिस पर उसने यह बात अन्य लोगों को बताई। सूचना मिलने पर परिवारजनों के पैरों तले क जमीन खिसक गई, क्योंकि सुनील के पिता की मौत पहले ही कैसर से हो चुकी है और अब उसके बेटे ने आत्मघाती कदम उठा लिया। बाद में इसकी सूचना पुलिस को दी गई।

डिंग में डूबने से 24 वर्षीय युवक की मौत

महेन्द्रगढ़। गांव खेड़ा में पानी की डिंग में एक 24 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल में पोस्टमॉर्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक के मामा पूरणल ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह गांव खेड़ा का निवासी है। उसकी बहन सुनीता गांव निहालवास में शांतिबाई है तथा उसके जीजा चेतारम का लगभग 10 साल पहले निधन हो गया था। जीजा के निधन के बाद उसकी बहन व उसका लड़का विवेकानंद व रमेश हमारे पास गांव खेड़ा में ही रह रहे हैं। उसका मांजा विवेकानंद काफी दिनों से रोजगार न मिलने के कारण डिप्रेशन में रहता था। 26 दिसंबर को उसके मांजा विवेकानंद सुबह करीब नौ बजे शौच के लिए गांव खेड़ा की बर्नी में गया था, शाम को पांच बजे उसे सूचना मिली कि मांजे विवेकानंद की बाँड़ी पानी की डिंग में डूब रही है। उसने व गाँवियों ने वहां पर जाकर डंड बाँड़ी देखी। बाँड़ी को किनारे लाकर अचछी तरह से देखा बाँड़ी मांजे विवेकानंद की थी। उन्होंने कहा कि मांजे विवेकानंद की मृत्यु पैर फिसलने से डिंग में डूबने से हुई है। विवेकानंद की मृत्यु बारे किसी प्रकार का शकशुबा नहीं है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले...क्या हरियाणा के युवा अयोग्य हैं? सरकार क्यों कर रही है बाहरी उम्मीदवारों की भर्ती

हरिभूमि न्यूज | नारनौल

हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने भाजपा सरकार की नौकरि भर्ती प्रक्रिया पर तीखा हमला करते हुए कहा कि क्या हरियाणा के युवा इतने अयोग्य हो गए हैं कि सरकार को 70-80 प्रतिशत सरकारी नौकरियों बाहरी राज्यों के उम्मीदवारों को देनी पड़ रही हैं? यह हरियाणा के मेहनती युवाओं के हक पर सीधा हमला और उन्हें अपने ही राज्य में दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने की साजिश है।



राव नरेंद्र सिंह

शनिवार राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार की सोची-समझी नीति के तहत ट्यूटर, पटवारी, क्लर्क, असिस्टेंट इंजीनियर, सिविल जज, एचसीएस, मेडिकल कॉलेज और तकनीकी शिक्षा विभाग की भर्तियों में बड़े पैमाने पर बाहरी उम्मीदवारों का चयन किया जा रहा है। हाल ही में असिस्टेंट इंजीनियर की भर्ती में 214 में से 185

भाजपा की साजिश : स्थानीय युवाओं को बेरोजगारी, बाहरी को हरियाणा में नौकरियों : राव नरेंद्र सिंह

नौकरियों बाहरी लोगों को दी जा रही है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा देश का शायद एकमात्र राज्य है जहां भर्ती परीक्षाओं में राज्य की संस्कृति, भाषा, सामाजिक-भौगोलिक परिस्थितियों और स्थानीय समझ से जुड़े प्रश्नों की कोई अनिवार्यता नहीं है। भाजपा सरकार को न हरियाणा की पहचान से मतलब है और न ही यहां के युवाओं से। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यह नीति केवल सामान्य वर्ग ही नहीं, बल्कि आरक्षित वर्गों के युवाओं के रोजगार पर भी खतरा है। डेमिग्राइल नियमों में बदलाव कर बाहरी लोगों को हरियाणा में बसाने और हरियाणवी युवाओं को अल्पसंख्यक बनाने की साजिश रची जा रही है। राव नरेंद्र सिंह ने मांग की है कि हरियाणा पावर यूटिलिटीज में असिस्टेंट इंजीनियर की भर्ती को तुरंत रद्द किया जाए, भर्तियों हरियाणा की सामाजिक-सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप हों और स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाए।

दुलोट जाट की पूर्व महिला सरपंच के विरुद्ध पुलिस केस दर्ज

नारनौल। खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी सिहमा की शिकायत पर वाम पंचायत दुलोट जाट की पूर्व सरपंच के खिलाफ बकाया भू-राजस्व की वसूली न होने पर अटेली पुलिस ने मामला दर्ज किया है। पूर्व सरपंच पर करीब 11 लाख 64 हजार 98 रुपये की राशि बकाया बताई जा रही है। गांव दुलोट जाट की पूर्व सरपंच अंजुबाला पर बीडीपीओ ने मामला दर्ज करवाया है। यह कार्रवाई डीसी महेन्द्रगढ़ के कार्यालय से गत नौ दिसंबर 2025 को जारी पत्र के आधार पर यह कार्रवाई अमल में लाई गई है। इससे पहले आठ सितंबर को डीसी के आदेश पर पूरा मामला तहसीलदार अटेली को सौंपा गया था। तहसीलदार कार्यालय की ओर से पूर्व सरपंच को नोटिस जारी कर बकाया राशि जमा करवाने और कार्यालय में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए, लेकिन न तो वह पेश हुईं और न ही राशि जमा करवाई। इसके बाद नियमानुसार उनकी चल-अचल संपत्ति की जांच करवाई गई। फील्ड कानूनगो द्वारा 4 नवंबर को भेजी गई रिपोर्ट में सामने आया कि पूर्व सरपंच अंजुबाला के नाम राजस्व रिकॉर्ड में कोई भी जमीनी या संपत्ति दर्ज नहीं है। ऐसे में भू-राजस्व के तहत बकाया राशि की वसूली संभव नहीं पाई गई। जहां रिपोर्ट और उपयुक्त कार्यालय के निर्देशों की पालना में खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी सिहमा ने थाना अटेली को पत्र भेजकर पूर्व सरपंच के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की, जिस पर अटेली पुलिस ने शिकायत मिलते ही मामला दर्ज कर लिया।

बेलाज क्लब में निर्मल जिंदल ने प्रियंका संघी से कॉलर बदलकर प्रधान पद किया ग्रहण

ड्रीम प्रोजेक्ट: रोटरी क्लब अब नई मोबाइल किचन की करेगा शुरुआत

रोटरी प्रधान राजकुमार चौधरी ने निवर्तमान प्रधान के हाथों से कॉलर बदलकर ली प्रधान पद की शपथ

हरिभूमि न्यूज | नारनौल

रोटरी क्लब नारनौल सिटी एवं रोटरी क्लब बेलाज की नई कार्यकारिणी 2025-2026 ने शुकुरवार शाम इंस्टॉलेशन सेरेमनी में शपथ ग्रहण कर विधिवत रूप से अपना नया कार्यकाल संभाला। इंस्टॉलेशन सेरेमनी में रोटरियन राजकुमार चौधरी को प्रधान तथा गोपाल मित्तल को सचिव पद की जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ रवि गुगनानी मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आगामी वर्ष 2026-27 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अजीत जालान व डॉ पुष्पा सेठी ने की। रोटरियन सुनील गौड़, डॉ संदीप दहिया कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहे। सेरेमनी चेयरमैन एलजी शोरेम संचालक राजकुमार चौधरी व रोटरियन निधि वर्मा ने सम्मानित अतिथियों के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर



नारनौल। शपथ ग्रहण कर विधिवत प्रधान पद करते राजकुमार चौधरी। फोटो: हरिभूमि

कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद रोटरियन के उपरांत शपथ ग्रहण समारोह शुरू किया गया। रोटरियन पवन गुप्ता ने कुशल मंच किया। क्लब के निवर्तमान प्रधान विनोद चौधरी ने साथ तथा निवर्तमान सचिव निर्मल जिंदल ने नवनियुक्त प्रधान राजकुमार चौधरी को प्रधान पिन पहना कर शपथ ग्रहण करवाई तथा निवर्तमान सचिव राजकुमार चौधरी ने नवनियुक्त सचिव गोपाल मित्तल के साथ अपनी पिन एक्सचेंज कर जिम्मेदारियों का

अनेक आवश्यक प्रोजेक्ट पर करेंगे कार्य : प्रधान

जिसके बाद निवर्तमान प्रधान विनोद चौधरी ने अपने कार्यकाल में पूरे मांगदशन देने हेतु डिस्ट्रिक्ट टीम का आभार व्यक्त किया। रोटरी क्लब के नवनियुक्त प्रधान राजकुमार चौधरी ने आने वाले वर्ष में किए जाने वाले कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष नारनौल शहर में मोबाइल किचन का संचालन करना, जख्मतमंद लोगों के लिए फिजियोथैरेपी सेंटर शुरू करना एवं अन्य आवश्यक प्रोजेक्ट क्लब का प्रमुख ध्येय रहेगा। नई मोबाइल किचन के माध्यम से शहर के अन्य क्षेत्रों में भी मात्र दस रुपये में भोजन उपलब्ध करवाना, जख्मत की जगह पर शौचालय निर्माण आदि रोटरी क्लब के ड्रीम प्रोजेक्ट होंगे। कार्यक्रम के अंत में सचिव गोपाल मित्तल एवं सुनील गौड़ ने रोटरी क्लब दिल्ली, फरीदाबाद व रेवाड़ी से आए मेहमानों का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर डीजी धीरज मुंठाजी, राकेश तलवार, सचिव जैन, अंजली जैन, विकास धींगरा, नवीन अद्वैत, गौरव आहुजा, नारनौल सिटी एंड बेलाज के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

नववर्ष का संदेश लेकर नववर्ष द्वार पर खड़ा है। उसका स्वागत हम पूरे उत्साह-उमंग के साथ अवश्य करें। साथ ही आगामी नववर्ष में न केवल अपने जीवन को, अपने से जुड़े लोगों, समाज और पर्यावरण को बेहतर बनाने का संकल्प भी जरूर लें। न केवल संकल्प लें, उसे क्रियान्वित करने के लिए भी समग्र ऊर्जा से सक्रिय रहें। तभी आगामी वर्ष में चहुंओर नवचेतना का संचार होगा।

आवरण कथा

कुमार राधारमण

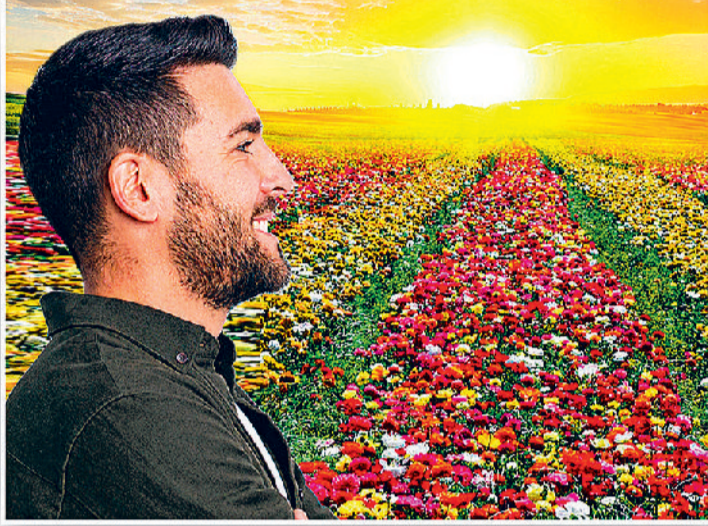
वर्तमान साल बीत रहा है। नए साल ने दस्तक दे दी है। नया साल सिर्फ कैलेंडर का बदल जाना नहीं होता है। यह बीत रहे साल की समीक्षा का अवसर भी है। हम सबकी कुछ अच्छी और कुछ कड़वी यादें इससे जुड़ी होंगी। नया साल विगत की अनुकूल स्मृतियों को सहेजने, उसे नए साल में नई ऊंचाइयों देने का अवसर है। यह प्रतिकूलताओं से सबक लेने का मौका है। जीवन की हर घटना सीखने का अवसर भी होती है। हम सब कई बार चूकते हैं। हमारी चूक निराशा का कारण न बने, हम अपनी गलतियों से सीखें। इसी में वर्तमान का उल्लास भी है और भविष्य का सुनहरा स्वप्न भी।

बनाए रखेंगे सकारात्मक दृष्टिकोण: नया साल, नए उत्साह, नई संभावनाओं, नए सपनों और नए संकल्पों को नए पंख देने का अवसर है। जीवन में हमेशा एक नई शुरुआत संभव है। बीत रहा साल चाहे जैसा रहा हो, नए साल में हम अपनी कहानी फिर से लिख सकते हैं। हर नए दिन का उपयोग हम अपने लक्ष्य के करीब जाने के लिए कर सकते हैं। यह सकारात्मक सोच से ही संभव होगा, क्योंकि चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता तभी विकसित होती है। हर समस्या, अपना समाधान भी लिए होती है। इसलिए,



बीता साल जैसा भी रहा, उसे धन्यवाद दें कि हमारे जीवन में एक महत्वपूर्ण प्रसंग उपस्थित हुआ। धन्यवाद इसलिए कि बीते साल की सफलताओं ने हमको आत्मविश्वास दिया, खुशियां दीं और असफलताओं ने हमको मजबूत, संवेदनशील और समझदार बनाया। प्रकृति नित नूतन है। यह नूतनता पुराने के प्रति आग्रह छोड़ने का निमंत्रण है। विगत चाहे स्वर्णकाल रहा हो, हमारी आज की चुनौतियां नई हैं और हमें आज की परिस्थितियों में निखरने के लिए हमेशा अपने मन के द्वार नए के लिए खुले रखने होंगे। विकास की यही परिभाषा है। सिर्फ व्यापार को ही नहीं, मन को भी मुक्त करने की जरूरत है। सभी समस्याओं की जड़ भूत और भविष्य से बंधा हमारा मन ही है, जबकि चुनौतियां वर्तमान की हैं। मुक्त मन समावेशी तो होता ही है, दूसरों की मुक्ति के द्वार भी खोलता है।

नववर्ष में हम करें नवचेतना का संचार



सीखेंगे नित नए कौशल: तेजी से बदलती इस दुनिया में निरंतर सीखना और अपना कौशल विकास करते रहना जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अक्सर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना ही हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हल्का और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।

तन-मन का रखेंगे ध्यान: स्वास्थ्य से बढ़कर कुछ भी नहीं। संतुलित आहार और पर्याप्त नींद भी हमारे संकल्प का हिस्सा हो। मौजूदा उन्मादी दौर में मानसिक स्वास्थ्य से ध्यान रखना भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन सीखना और सकारात्मक मानसिकता विकसित करना आधुनिक जीवन की आवश्यकता है। हर हाल में अच्छाई खोजना और आशावादी रहना जीवन को रूपांतरित कर देता है। हम सक्षम हैं और सफल होने के योग्य हैं, यह विश्वास सदा बना रहे। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन है कि न तो सफलता अंतिम होती है, न असफलता घातक होती है, असली बात यह है कि आपमें जारी रखने का साहस है या नहीं।

धनार्जन भी है जरूरी: धन भी महत्वपूर्ण है। गरीब रखने वाली विचारधारा से दूर रहें। वित्तीय लक्ष्य तय करें। बचत और निवेश जरूरी है। व्यस्तता हमें अनचाहे ही अक्सर अपने प्रियजनों से दूर कर देती है। वास्तविक दुनिया के लोगों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना ही हमारा संकल्प हो। इससे क्षमाभाव मजबूत होगा, पुरानी कड़वाहट दूर होगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी, मन हल्का और खुश रहेगा। अपने लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें। बड़े सपने देखें, बशर्ते उसे कार्यरूप देने का सामर्थ्य भी हम में हो।



अनिश्चितताओं से भरा है। अगली पीढ़ी के लिए सब सोचना आपका ही दायित्व नहीं है, अगली पीढ़ी खुद भी अपने लिए करेगी ही। आप अपने वर्तमान को स्वर्णिम बनाएं। जब आप खुब धन कमा लेंगे, एक दिन वही धन ऊब पैदा करने लगेंगा। भौतिक धन परमधन को पाने का साधन मात्र रहे। पावर ऑफ मैनिफेस्टेशन का उपयोग केवल धन को आकर्षित करने के लिए न करें। हमारे पास जो

कुछ भी है, उसके प्रति कृतज्ञता से जीवन में अच्छाई को आकर्षित करना भी सीखें। रहेंगे खुद के करीब: समय धन से भी अधिक कीमती है। इसका सदुपयोग करें। आलस्य छोड़ें, तभी हम अधिक उत्पादक और सफल बन पाएंगे। आलस्य छोड़ने का मतलब हर समय व्यस्त रहना नहीं है। आराम और मनोरंजन भी महत्वपूर्ण हैं। संतुलन चाहिए। आत्म-प्रेम समग्र विकास के लिए जरूरी है। अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए समय निकालना हमारे जीवन को समृद्ध बनाता है। लिहाजा, रोजमर्रा के जीवन में कुछ पल ऐसे जरूर हों, जो नितांत निजी हों, जिसमें मोबाइल की भी दखल न हो। अपने लिए समय निकालना जरूरी है। लेकिन यह औरों के बनाए रील्स देखने के लिए न हो। यह समय अपनी पसंद के काम करने, किताबें पढ़ने, संगीत सुनने, ध्यान करने या प्रकृति से जुड़ने का हो जो हमको तरोताजा कर दे।

समाज-पर्यावरण का रखेंगे ध्यान: सभ्य नागरिक अपने समाज और पर्यावरण के प्रति भी जिम्मेदार होता है। हमारी पृथ्वी रहने लायक बनी रहे, आने वाली पीढ़ियों के लिए हम आदर्श बनें, नया साल इस संकल्प से भरने का समय भी है। जरूरतमंदों की मदद और सामाजिक कार्यों में भागीदारी आंतरिक संतुष्टि देती है। अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें और नई चीजें आजमाने का साहस रखें। जीवन एक साहसिक यात्रा है और नए अनुभव हमें जीवंत और उत्साहित रखते हैं। सच्ची खुशी और संतुष्टि अनुभव, रिश्ते और भीतरी शांति ही देती है।

शांति के लिए करेंगे प्रयास: इस समय दुनिया भर में राजनीतिक और आर्थिक कारणों से अस्थिरता, अनिश्चितता का माहौल है। भय और चिंता के इस परिदृश्य में, अंतर्मन की जितनी जरूरत आज है, पिछले कुछ दशकों में शायद ही रही हो। युद्धों की आहट अनेक आशंकाएं पैदा कर रही हैं। हमारी वास्तविक जरूरत शांति है। शांत मन ही गहरी से गहरी समस्या का सम्यक समाधान तलाश सकता है और एक बेहतर जीवन की ठोस आधारशिला तैयार कर सकता है। विश्व शांति किसी धर्म या हथियार से नहीं, बल्कि जागरूकता से, हृदय से आ सकती है और उसका मार्ग ध्यान है। इसी से मनुष्य, मनुष्य से जुड़ा महसूस करेगा। प्रतिकूल समय में ही ज्ञान, धर्म, साहस और ऊर्जा की परीक्षा होती है।

असली ज्ञान, ऊर्जा, धर्म और पारक्रम यह है कि हम जहां भी हों, वहां के आस-पास की प्रकृति कोमल हो जाए। हम जिनके बीच रहें, उनकी भलाई स्वतः प्रकट होने लगे। हमारे भीतर इतनी गहरी शांति उतर आए कि सबके प्रति एक स्वीकार भाव हो। हम इसके लिए अपने स्तर पर अवश्य प्रयास करेंगे, ऐसा संकल्प जरूर लें। तब निश्चय ही आगामी वर्ष खुशहाली से भरपूर होगा। *

विशेष : वैश्विक परिवार दिवस, 1 जनवरी

वर्ष का पहला दिन यानी 1 जनवरी को पूरी दुनिया में ग्लोबल फैमिली-डे मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य परिवार की महत्ता को समझना और पारिवारिक प्रेम-सौहार्द की भावना को व्यक्तिगत जीवन से लेकर समाज, देश ही नहीं पूरे विश्व में प्रसारित करना है।

व्यक्तिगत से वैश्विक कुटुंब तक बना रहे प्रेम-सौहार्द-शांति

आह्वान / शिखर चंद जैन

हर वर्ष 1 जनवरी को ग्लोबल फैमिली-डे यानी वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है। यह दिन दुनिया भर के लोगों को एक बड़े वैश्विक परिवार के रूप में जोड़ने के साथ ही उनमें शांति, एकता, प्रेम और सौहार्द के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। **भारत की प्राचीन अवधारणा:** हमारे देश में तो प्राचीन काल से ही 'वसुधैव कुटुंबकम्' की अवधारणा को महत्व दिया जाता रहा है। लेकिन आधुनिक विश्व में ग्लोबल फैमिली-डे मनाने की शुरुआत, संयुक्त राष्ट्र के 'शांति के एक दिन' की विचारधारा से हुई थी। इसे देश, धर्म या नस्ल की सीमाओं से परे सभी लोगों द्वारा मिलकर मनाया जाता है। इस प्रकार यह दिन प्रेम और सद्भाव फैलाने पर जोर देता है। यह दिन हमें दृष्टि दिलाता है कि हम सब एक वैश्विक गांव के ही सदस्य हैं और हमें सभी मतभेदों को भुलाकर एक परिवार की तरह रहना चाहिए। इसके तहत सभी को प्रेम, शांति और सौहार्द के साथ रहना सिखाया जाता है। दुनिया में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देना और युद्ध-हिंसा से बचना इसका मूल उद्देश्य है।

कब-कैसे हुई शुरुआत: वैश्विक परिवार दिवस मनाने का विचार पिछली सदी में एक किताब से आया था। इसकी शुरुआत 1990 के दशक के अंत में हुई, जब 1997 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2000 को 'शांति की संस्कृति के लिए अंतरराष्ट्रीय दशक और विश्व के बच्चों के लिए अहिंसा' के रूप में घोषित किया। इस अवधारणा को स्टीव डायमंड और एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित बच्चों की एक किताब 'वन डे इन पीस, जनवरी 01, 2000' से प्रेरणा मिली। इस कहानी में एक ऐसी दुनिया की कल्पना की गई थी, जहां लोग 1 जनवरी को अपने सभी मतभेदों को एक तरफ रख देते हैं और भाईचारे की भावना का जश्न मनाते हैं। इसने 'शांति का एक दिन' समारोह की शुरुआत की। 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों को शांति लाने के लिए

वर्ष का पहला दिन समर्पित करने का औपचारिक निमंत्रण मिला। 2001 में, संयुक्त राष्ट्र ने आधिकारिक तौर पर इस दिन को मान्यता दी, और तब से हर साल 1 जनवरी को यह दिवस मनाया जाता है। **मनाती है पूरी दुनिया:** वैश्विक परिवार दिवस का उत्सव भौगोलिक सीमाओं से बंधा नहीं है, बल्कि यह एक वैचारिक उत्सव है। इसे किसी एक देश का पर्व मानने के बजाय, मानवता के प्रति एक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस सरल, सार्थक कार्यों के बारे में ध्यान आकर्षित करता है, जो घर परिवार से लेकर वैश्विक एकता की भावना को दर्शाता है। **परिवार के संग मनाएं यह दिन:** यह दिन संघर्षों को भूलकर, एक-दूसरे के प्रति आभार व्यक्त करने और प्रेम फैलाने पर जोर देता है। इस पुरे दिन आप अपने परिवार के साथ समय बिता सकते हैं। इसके लिए परिवार के सदस्य एक साथ भोजन कर सकते हैं, कोई सामूहिक खेल, खेल सकते हैं या एक-दूसरे से बात करते हुए अच्छा समय गुजार सकते हैं। आप चाहें तो इस दिन को सामुदायिक सेवा के लिए स्वयंसेवा करके या वैश्विक स्तर पर शांति



के लिए काम करने वाली संस्थाओं के लिए श्रमदान करके भी मना सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने ग्लोबल मित्रों की विभिन्न संस्कृतियों, उनकी परंपराओं, व्यंजनों या कहानियों को साझा करके वैश्विक विविधता की भावना को मजबूत किया जा सकता है। **अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस से अलग:** हालांकि इस दिन को मनाने की शुरुआत मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में हुई, लेकिन इसे अब दुनिया भर के लगभग हर देश के परिवारों द्वारा मनाया जाता है, जिसमें हर देश और संस्कृति के लोग शामिल होते हैं। इससे मिलता-जुलता एक और महत्वपूर्ण दिवस अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस (इंटरनेशनल डे ऑफ फैमिलीज) भी है, जो हर साल 15 मई को मनाया जाता है, इसे भी संयुक्त राष्ट्र ने ही घोषित किया था और यह भी परिवार के महत्त्व पर केंद्रित है। *

कविता
राजेंद्र श्रीवास्तव

एक वर्ष फिर बीत गया

बीते वर्षों जैसा ही कुछ, एक वर्ष फिर बीत गया।
कभी हृदय खिल उठा पुष्प-सा,
और कभी गुपचुप रोया।
कभी सफलता स्वयं आ गई,
कभी स्वर्ण-व्रतसर खोया।
आता-जाता रात वक्त भी
अपने ही रथ पर चढ़कर,
कालचक्र की अथल-पुथल में यह जैतवध रीत गया।
लर्ब, शोक, संघर्ष, समन्वय,
सुख-दुःख, धूप-छांव जैसे।
कुछ दिन बीते खुशहाली में,
बीते कुछ जैसे-तैसे।
दांव-पेय षडयंत्रों का भी
खेल सीखने विदेश हुआ,
जीता कभी किसी से मैं या, कोई मुझसे जीत गया।
जब-जब स्वर गौतम-गजलों के
गेरे होंटों पर आए।
तब तब कहीं अधूरी याई
वाधयंत्र बिगाड़े पार।
सारा नहीं आत्मबल तौकिल
कोई जतन सफल होगा,
बिगाड़े साजों से रथ दूंगा, मैं कोई संगीत नया।

खंयग / अंशुगाली रस्तोगी

टंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ टंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं।

टंड और चोर



इ न दिनों टंड आतंक मचाए हुए है। रजाई से बाहर निकलने का मन नहीं करता। न नहाने का दिल करता है। जी करता है, पूरे टाइम रजाई में सिकुड़े पड़े रहे। लेकिन मैं दाद देता हूँ उन चोरों को, जो भीषण टंड में भी चोरी कर रहे हैं। टंड में चोरी करना आसान काम नहीं। जब लोग अपनी-अपनी रजाइयों में छिपे-दुबके बैठे होते हैं, तब चोर उनके घरों में चोरी करने उतरते हैं। एक तरफ टंड का सितम, दूसरी तरफ पकड़े जाने का डर। फिर भी, वे अपने कर्म पथ पर डटे रहते हैं। पापी पेट क्या-क्या नहीं करवा लेता। आज के जमाने में चोरी करना पाप कैसे कहा जा सकता है! बदलते समय के साथ चोरी के तरीके भी काफी बदल गए हैं। कुछ चोरियां अब ऐसी भी हैं, जिनके लिए घर से बाहर निकलना ही नहीं पड़ता। वे घर बैठे-बैठे ही हो जाती हैं। ऑनलाइन टगी (चोरी) में कहीं जाने की जरूरत नहीं। कहीं से भी बैठकर किसी के भी बैंक खाते से रुपए उड़ाए जा सकते हैं। ये चोर बेहद शांतिर होते हैं। बातें बनाकर फंसाने में माहिर होते हैं। इधर सावधानी घटी, उधर काम तमाम हुआ। लेकिन ऑनलाइन चोर पारंपरिक चोरों की तरह मेहनती नहीं होते। माना

कि ऑनलाइन चोरी में मुनाफा अधिक है किंतु जमीनी अनुभव न के बराबर है। ऐसी चोरी भला किस काम की, जिसमें हाथ-पैर न हिलाने पड़ें।

अब तो पारंपरिक चोरों ने भी ऑनलाइन चोरी का रास्ता पकड़ लिया है। वे भी अधिक मेहनत करने से कतराने लगे हैं। चोरी की लाइन में नई पीढ़ी जो आ रही है, उसका झुकाव ऑनलाइन टगी की तरफ ज्यादा है। चोरी के नए-नए तरीके उसने ईजाद कर लिए हैं। फोन पर लोगों को उल्टू बनाकर खाते से पलभर में रुपया सफा-चट कर रहे हैं। लेकिन मुझे तो जमीन से जुड़े पारंपरिक चोर ही अधिक पसंद हैं। वे चोरी करते हैं तो लगता है कि वास्तविक चोरी हुई है। चोरी की रपट लिखी जाती है। पुलिस मौका-ए-वारदात पर पहुंचती है। चोरी गई चीजों का हिसाब-किताब लगाया जाता है। ध्यान रहे, चोरी में गहने जरूर चुरते हैं। नकदी पर भी हाथ साफ किया जाता है। घर वाली, आस-पड़ोस, नौकर-चाकर से पूछताछ होती है। खबर अखबारों में छपती है। चार जन चाय और पान के खोके पर चर्चा करते हैं। मोहल्ले में दहशत का सा माहौल बनता है। चोरी होने वाले घर का दूर-दूर तक नाम होता है। कुछ भी चाहिए, सीन पारंपरिक चोरी में ही बनता है।

विकट टंड में चोरी कंपकंपी लुड़ा देती है। मगर पापी पेट की खातिर उन्हें यह करना पड़ता है। आखिर उनका भी परिवार है। उन्हें भी अपने शौक पूरे करने हैं। बीवी को पसंद और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का भी ध्यान रखना है। चोरों का भी दिल होता है। मैंने कहानियों में कई ऐसे चोरों के बारे में सुने रखे हैं, जो चोरी की कमाई गरीबों में बांट दिया करते थे। कभी निम्न वर्ग को परेशान नहीं करते थे। उनके टारगेट पर हमेशा धनासेठ ही रहा करते थे। कितने दयावान चोर थे वे। मेरा मानना है कि चोरी करना, कविता या व्यंग्य लिखने से कहीं कठिन काम है। जितनी अक्ल चोरी करने में लगानी पड़ती है न, उतनी गणित के सवाल हल करने में नहीं। लेकिन लोग हैं कि चोरों को हमेशा बद-दुआएं देते हैं। कभी उनका आदर-सम्मान नहीं करते। चोर हैं तो क्या, ईंसान तो वे भी हैं। इतना तय है कि धरती से जैसे भ्रष्टाचार कभी नहीं मिट सकता, वैसे ही चोरी भी कभी खत्म नहीं हो सकती। चोरों में भी नई-नई नस्लें आती रहेंगी। नए-नए तरीके चोरी के ईजाद किए जाते रहेंगे परंतु चोरियां खत्म कभी न होंगी। टंड के मौसम में चोरी करना निश्चित ही करीब काम है। मेरे विचार में ऐसे वीर चोरों को कोई न कोई पुरस्कार भी जरूर मिलना चाहिए! नहीं क्या...! *

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारणर है।
किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।
एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है ?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।
कितने समय में रोगी घर जा सकता है ?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।
इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है ?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।
इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है ?
इसमें जड़ से इलाज होता है।
क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है ?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन

देहली हॉस्पिटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
सम्पर्क - 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in



सेलिब्रेशन / लोकमित्र गौतम

साल 2025 विदा होने वाला है। इसके साथ ही नया साल 2026 आने के लिए तैयार है। बीते साल की विदाई और नए साल के स्वागत में पूरी दुनिया में दिसंबर माह के आखिरी सप्ताह में जश्न का माहौल रहता है। अपने देश में भी क्रिसमस के बाद सड़कों पर शाम होते ही रोशनी जगमगाने लगती है। बाजारों में चहल-पहल बढ़ जाती है और हर जगह अलविदा-ए-जश्न के रंग-बिरंगे पोस्टर चस्पा हो जाते हैं। वास्तव में अब नए वर्ष का स्वागत, धर्म-समुदाय से ऊपर उठकर साझे जश्न का पर्व बनकर उभरा है। यही कारण है कि उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक दुनिया के हर कोने में 31 दिसंबर की रात जश्न की रात होती है। हर साल की तरह इस साल भी नए साल के स्वागत में जश्न मनाने के लिए तैयार देश के कई शहर खासतौर पर तैयार हो रहे हैं।



दिल्ली हेरिटेज स्टाइल का सेलिब्रेशन: दिल्ली की सदी और न्यू ईयर के जश्न का जादू एक ऐसा सदाबहार कॉम्बिनेशन है, जिसका कहीं से कोई मुकाबला नहीं। इंडिया गेट के आस-पास होने वाले लाइट शो, राजघण्ट के कैफे में थीम नाइट्स और फाइव स्टार होटलों में क्लासिक प्रयोजन, न्यू ईयर इव डिनर, सब सेलिब्रेशन मोड पर पहुंच चुके हैं। दिल्ली की खासियत है, यहां लोगों की गैदगी और

किसी देश की तरक्की मापने का एक पैमाना यह भी होता है कि उस देश ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कितनी तरक्की की है? भारत के लिए विज्ञान-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में स्टाइम उपलब्धियों से भरा रहा साल 2025। इस वर्ष देश की उपलब्धियों पर एक नजर।

साइंस और टेक्नोलॉजी-2025

साल की शानदार अचीवमेंट्स



साइंस-टेक

संयंत्र श्रीवास्तव

इस साल हमने दुनिया को यह दिखा दिया कि विज्ञान, तकनीक और उससे जुड़े क्षेत्रों में प्रगति के मामले में हम किसी के कम नहीं। इस साल देश ने विज्ञान, तकनीक, पर्यावरण तथा कृषि जैसे क्षेत्रों में जो उपलब्धियां हासिल कीं वे अभूतपूर्व हैं। भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा संबंधित क्षेत्रों में जिस तरह प्रगति कर रहा है, जल्द ही वह संसार के चुनिंदा विकसित देशों की बराबरी करने लगेंगे। बेशक इसमें सरकार की नीतियों, हमारे वैज्ञानिकों और संस्थाओं का सम्मिलित प्रयास शामिल है लेकिन हमें अपने शिक्षा संस्थानों का योगदान भी नहीं भूलना चाहिए।

शुभांशु शुक्ला ने किया गौरवान्वित: शुभांशु शुक्ला इस वर्ष देश ही नहीं, दुनिया भर में चर्चा के केंद्र में रहे। एक्सओम-4 मिशन का हिस्सा बने भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय बने। युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोर: इस बार राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय था, 'विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व हेतु भारतीय युवाओं को सशक्त करना'। यह देखना सुखद था कि सरकार ने इस नारे के उद्देश्य को जमीन पर उतारा तथा युवा प्रतिभाओं की भूमिका पर जोर दिया। इसके चलते नवाचारों में उल्लेखनीय बढ़त दिखाई। सरकार का सबसे ज्यादा जोर सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, एआई तथा अन्य महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों पर रहा। सरकार ने वैश्विक आपूर्ति

श्रंखला में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और सामरिक आत्मनिर्भरता हासिल करने, अपनी चिप विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए भी भारी निवेश इस वर्ष किया। नवाचार की दिशा में बढ़े कदम: एआई और स्टार्टअप को समर्थन देने के लिए इस साल कई नीतियां और प्रोत्साहन कार्यक्रम लागू किए गए। एआईआरबी का नाम बदलकर 'विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड और नवाचार', यानी 'एसआरबीआई' कर दिया गया। अब यह अकादमिक अनुसंधान को वित्तपोषित करने के साथ-साथ बाजार-आधारित नवाचारों को भी बढ़ावा दे रहा है। इसका नतीजा भी इसी साल

दिखा, देश ने अंतरिक्ष मिशनों के लिए डिजाइन किया अपना पहला स्वदेशी 32-बिट माइक्रोप्रोसेसर 'विक्रम 32' विकसित और प्रदर्शित किया गया। यह उपलब्धि देश को सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएगा। इससे देश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और रक्षा प्रणालियों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में वैश्विक खिलाड़ी के रूप में स्थापित हो सकेगा। इसरो की उल्लेखनीय उपलब्धियां: हर साल की तरह अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित होने के कई अवसर दिए। इसरो ने इस वर्ष की शुरुआत में 16 जनवरी को, अपना पहला ऑन-ऑर्बिट डॉकिंग प्रयोग स्पेडैक्स सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसके तहत लगभग 28,400 किमी प्रतिघंटा की गति से यात्रा करने वाले दो उपग्रहों को साथ



बीते रहे साल की विदाई और नए साल के स्वागत का जश्न पूरी दुनिया में उत्साह-उमंग से मनाया जाता है। अपने देश में भी न्यू ईयर इव को पूरे जोश-ओ-खरोश के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। देश के अलग-अलग स्थानों, खासकर टूरिस्ट प्लेसेस पर कैसी हो रही न्यू ईयर इव के जश्न की तैयारी, आप जरूर जानना चाहेंगे।

न्यू ईयर इव का जश्न

हो रही तैयारी जोरदार

काउंटडाउन, यही है गोवा के न्यू ईयर इव के जश्न का जलवा। गोवा प्राय: हर साल ही देश में खासतौर पर जश्न-ए-विदाई का मेन सेंटर बन जाता है।

मुंबई सपनों के शहर में शानदार स्वागत: गेट वे ऑफ इंडिया की भव्य लाइटिंग, मरीन ड्राइव के किनारे लोगों का हजूम और क्लबों में थिरकती थीम पार्टियां। मुंबई 2025 की विदाई के लिए क्रिस्टल काउंटडाउन थीम डिजाइड की गई है। न्यूऑन सेटअप, हाई वोल्टेज म्यूजिक और मध्य रात की आतिशबाजियां मिलकर, इस शहर की तेज रफ्तार



शिमला-मनाली बर्फ की चादर में खुशियों के रंग: उत्तर भारत के पर्वतीय शहरों में शिमला जैसा नए साल के उत्सव का जलवा किसी दूसरे शहर को नसीब नहीं है। इस बार यहां स्नो फेयरेवेल नाइट्स की जोरदार तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। शिमला का ही एक्सटेंशन मनाली को माना जाता है। इसलिए इसे शिमला-मनाली जश्न की संज्ञा दी जाती है। यहां 31 दिसंबर की रात अकसर बर्फबारी होती है और यही इस जश्न का क्लाइमेक्स होता है। बर्फबारी के बीच अलाव, मध्यम संगीत और लमजरी कैप, मनाली-शिमला जश्न के रंग बिलकुल अलग हैं। यहां न्यू ईयर की पार्टियों का जश्न दिलों में गमाईश भरता है, जिसे शब्द बयां नहीं कर सकते।



बैंगलुरु तारों की छांव में संगीतमय विदाई: हाल के वर्षों में बैंगलुरु युवाओं का शहर कहा जाने लगा है और यह हर बार पुराने नियम तोड़कर नए नियम गढ़ता है। इस बार भी इसकी नए साल के जश्न की तैयारी भरपूर हो चुकी है। देश के सिविलिकॉन वेली कहे जाने वाले इस शहर में ओपन एयर वेन्यू और रूफ टॉप पर इंटी बैड्स पार्टियों की भरपूर तैयारी है। लाइव डीजे सेट, क्राफ्ट बुअरी नाइट की तैयारियां अपने चरम पर हैं। टेक सिटी का यह अंदाज यहां आने वाले मेहमानों को याद दिलाता है कि नया साल सिर्फ पार्टी नहीं, एक नया और युवा जोश का जश्न है। *

बॉलीवुड-2025

केलाश सिंह

बीते रहे साल में जहां कुछ फिल्मों ने उम्मीद से अधिक सक्सेस हासिल की, वहीं कुछ बिग बजट-बैनर की फिल्मों भी कोई कमाल नहीं दिखा सकीं। फिल्मों के प्रति दर्शकों के टेस्ट में आए बदलाव की वजह से और इस साल रिलीज फिल्मों-ओटीटी शो पर एक नजर।

बीते कई सालों की तरह 2025 भी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के लिए मिला-जुला रहा। कई बड़े बजट की फिल्मों फ्लॉप रहें तो कुछ छोटे बजट की फिल्मों भी सक्सेसफुल रहें। इस साल थिएटर में फिल्म देखने के संदर्भ में दर्शकों की घटती रुचि के बारे में कई प्रकार की चर्चाएं भी हुईं। सिनेमाघर मालिक सारे साल यह बहस करते रहे कि दर्शकों का थिएटर से दूर होने के पीछे का असल मुद्दा, फिल्मों का निरंतरता के साथ रिलीज न होना है। हाल के वर्षों में सात फिल्मों ने 500 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई की, जिससे सिद्ध होता है कि अच्छी फिल्मों की मांग अब भी बहुत है। लेकिन जब एक के बाद दूसरी रिलीज में बहुत फायला बढ़ जाता है, तो दर्शकों की सिनेमाघर में आने की दिलचस्पी कम हो जाती है। विशेषतः काहना है 'धुरंधर' रही साल की सर्वाधिक सफल फिल्म

कि वह पानी के भीतर लंबी अवधि तक रह सकती है। तकनीकी क्षेत्र में अन्य उपलब्धियां: आईआईटी मुंबई के शोधकर्ताओं ने इस वर्ष देश का पहला स्वदेशी 'क्वांटम डायमंड माइक्रोस्कोप' विकसित किया, जो सूक्ष्म चुंबकीय क्षेत्रों का सटीक पता लगाने में सक्षम है। यह क्वांटम प्रौद्योगिकी के वैश्विक विकास में भारत के योगदान को मजबूत करता है। नए परमाणु ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना के साथ परमाणु ऊर्जा विभाग ने भी इस साल उल्लेखनीय प्रगति की है। कृषि क्षेत्र में इस साल एआई, इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी तकनीक का इस्तेमाल कर प्रेसिजन एग्रीकल्चर और जीन एडिटिंग, बायोफोर्टिफाइड बीज आधारित खेती को व्यापक रूप से अपनाया गया। इससे फसलों की पैदावार बढ़ेगी तो पानी जैसे कृषि संसाधनों की खपत में कमी आएगी। कुल मिलाकर यह कह सकते हैं कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बीता साल बहुत उत्साहवर्धक और प्रेरक रहा। *

तब न्यू ईयर बन जाएगा हेल्दी-हैप्पी-सक्सेसफुल



नया साल शुरू होने में कुछ ही दिन बचे हैं। आप जरूर सोच रहे होंगे कि आने वाले साल में ऐसा क्या करें, जिससे पूरा साल आपके लिए हेल्दी, हैप्पी और सक्सेसफुल साबित हो। हम दे रहे हैं, इससे रिलेटेड सजेरांस।

सजेशन / अंजु जैन

जाता हुआ साल हमारे मन में कुछ शिकायतों और अधूरी उम्मीदें छोड़ जाता है। बीता हुआ वक्त तो वापस आ नहीं सकता, इसलिए उसके बारे में सोचकर परेशान होने की बजाय हम बीते साल की कमियों और गलतियों की समीक्षा करें और आने वाले साल उन्हें सुधार लें तो हम नव वर्ष को हैप्पी बना सकते हैं।

रिलेशनशिप में बनी रहे गर्माहट

हमारे रिद-गिर्द रहने वाले मित्र, परिवार के सदस्य, रिश्तेदार, सहकर्मी, सहपाठी, बिजनेस पार्टनर और पड़ोसी आदि हमारे जीवन को काफी हद तक प्रभावित करते हैं। इन सारे रिश्तों पर सरसरी तौर पर नजर डालें और समीक्षा करें। विचार करें कि आपने इनके लिए पूरे साल क्या किया और बदले में उन्होंने आपके साथ क्या व्यवहार किया?

एक्शन: नए साल में इन सारे रिश्तों को आप प्राथमिकता के आधार पर कैटेगरीज करें। जिनसे आपको नेगेटिव रिएक्शन मिला, उन्हें सबसे निचले पायदान पर रखें। सहयोगी, स्नेहिल और केयरिंग लोगों को सर्वोच्च प्राथमिकता की श्रेणी में रखें। तय कर लें कि इस साल आपको सिर्फ पॉजिटिव एटीट्यूड और सपोर्टिंग नेचर वाले रिलेशंस को मॉटेन करने में ही अपनी एनर्जी का उपयोग करना है। इससे आप साल भर इमोशनली खुश रहेंगे, आपका सपोर्ट सिस्टम स्ट्रॉन्ग होगा और रिश्ते भी इंप्रूव होंगे।

फिजिकल-मेंटल हेल्थ का रखें ध्यान

अपनी हेल्थ को लेकर खुद से कुछ बुनियादी सवाल पूछें। आपने अंतिम बार कब अपना बीपी चेक करवाया था? आपके हाट की हेल्थ का क्या हाल है? क्या आप मॉर्निंग वॉक, वर्कआउट या किसी फिजिकल एक्टिविटी में इवॉल्व हैं? क्या आपको रात को ठीक से नींद नहीं आती है? इन सवालों के जवाब इमानदारी से दें और अगर जवाब निराशाजनक हैं, तो अब आपको एलर्ट हो जाना चाहिए। एक्शन: इस बात का इंतजार न करें कि आपको बड़ी बीमारी घेर ले। ज्यादा देर न करके साल की शुरुआत में ही अपने जनरल फिजिशियन से मिलें और अपना हेल्थ चेक करवाएं। पक्का निश्चय कर लें कि आप रोज 30 मिनट किसी न किसी प्रकार की फिजिकल एक्टिविटी में जरूर इवॉल्व होंगे।

स्मार्टफोन का सीमित और जरूरी प्रयोग करें और नशे से दूर रहेंगे।

मेडिटेशन से मानसिक स्वास्थ्य भी दुरुस्त रखेंगे। फाइनेंस इश्यूज को ना करें इग्नोर

हर नए साल में आपको चाहिए कि आप अपनी वित्तीय स्थिति पर गंभीरतापूर्वक विचार करें। वित्तीय रूप से सुस्थित भविष्य के लिए फाइनेंस इश्यूज को इग्नोर ना करें। एक्शन: फाइनेंस से जुड़े अपने कमजोर पहलुओं को समझें। इस साल के लिए कुछ वित्तीय लक्ष्य निर्धारित करें और उन्हें हासिल करने की प्लानिंग भी बनाएं। घर में सबके लिए हेल्थ इश्योरेंस और अपने लिए रिटायरमेंट प्लान सुनिश्चित करें।

करियर को दें नई दिशा

अगर बीते साल आपका करियर आपकी उम्मीदों के मुताबिक परिणाम देने वाला नहीं रहा। आपकी नई जॉब पाने की कोशिश असफल हो गई। ऐसे में वक्त है एलर्ट होने का। एक्शन: नए साल में आपका करियर और आत्मविश्वास डांबाडोल न रहें, इसके लिए सबसे पहले खुद को अपडेट करें। अपने प्रोफेशन से जुड़ी नवीनतम जानकारियां हासिल करें। कोई नई स्किल सीखें। अपनी पर्सनालिटी में निखार लाएं। कम्युनिकेशन स्किल इंप्रूव करें। अपना रेज्यूमे अच्छी तरह से दोबारा तैयार करें। लगातार जॉब हैंटिंग करते रहें। अपने बॉस और क्लाइंट के साथ रिश्तों को सुधारें।

सबसे जरूरी है आत्मसंतुष्टि

अगर आपने पूरा वक्त सिर्फ दूसरों को खुश करने में बिता दिया तो समझ लीजिए कि आपने जिंदगी को बिताया है, जिया नहीं है। जिंदगी आपकी है, इसलिए आपको खुद को खुश करने का पूरा हक है। एक्शन: हर रोज कम से कम दो घंटे अपनी खुशी के लिए कुछ करें। चाहे वह आपकी हॉबीज को अटेंड करने की बात हो या फिर अपने अरमान पूरे करने की। हर किसी को खुश करने की आदत छोड़ें और सिर्फ उनको परवाह करें जिनके नाराज होने से आपको वाकई फर्क पड़ता हो।

इस साल थिएटर-ओटीटी पर किन फिल्मों ने मचाया धमाल



'सैयारा' दर्शकों ने खूब किया पसंद

'कांतारा' साल की सबसे सफल फिल्मों में से एक

हॉरर जॉनर ने प्रभाव अवश्य छोड़ा, लेकिन किसी विशेष जॉनर ने सिनेमा में राज नहीं किया। गौरतलब है कि वर्ष 2025 में 'हॉलीवुड की अलग-अलग जॉनर की फिल्में देश के विभिन्न हिस्सों में रिलीज की गईं, लेकिन अतीत की तरह किसी खास जॉनर-हॉरर, ड्रामा या सुपरहीरो ने सफलता की गारंटी नहीं दी। आज दर्शक बहुत अधिक चुड़ी हो गए हैं और सिनेमाघर में तभी जाते हैं, जब फिल्म उनकी उम्मीदों के अनुरूप हो। इस नजरिए से 'इंटरस्टेलर' के री-रिलीज को देख सकते हैं, जो भारत में 2025 में सबसे अधिक कमाई करने वाली 'हॉलीवुड फिल्म बनी और नई रिलीज से भी आगे निकल गई। 'इंटरस्टेलर' के अतिरिक्त जिन ग्लोबल फिल्मों को इस साल पसंद किया गया है, 'एफ1', 'जुरासिक वर्ल्ड', 'मिशन इंपॉसिबल', 'द कांजुरिंग', 'डेमन स्लैयर' और 'फाइनेल डेस्टिनेशन: ब्लडलाइंस'। इस साल रिलीज सफल फिल्में: बात अगर इस साल रिलीज देश में बनी सफल फिल्मों की करें तो 'कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1' भारतीय दर्शकों की सबसे पसंदीदा फिल्म बनी। इस फिल्म को 6 लाख लोगों ने दोबारा देखा। एडवॉंस बुकिंग की बात करें तो 'कुली' फिल्म की 2.4

मिलियन सीटें पहले से रिजर्व की गईं। अन्य फिल्में, जिन्हें दर्शकों ने इस साल खूब पसंद किया वो थीं, 'छावा', 'सैयारा', 'महावतार नरसिम्हा', 'लोख', 'युद्धरुम', 'वॉर-2', 'सितारे जमीन पर' और 'धुरंधर'। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन: बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो दशहरे के सप्ताहंत पर सबसे ज्यादा फिल्में देखी गईं। उस दौरान 6.3 मिलियन टिकट बिके, जो फिल्मों अक्टूबर 2025 में रिलीज हुईं, उन्होंने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1,669 करोड़ रुपए की कमाई की। जनवरी से अक्टूबर 2025 तक कुल मिलाकर 11,077 करोड़ रुपए की कमाई हुई, जोकि 2024 की इसी अवधि की तुलना में 24 प्रतिशत अधिक रही। अभी तक सबसे अधिक कमाई (735 करोड़ रुपए) 'कांतारा: ए लीजेंड चैप्टर 1' ने की। हालांकि 'धुरंधर', बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के बेस पर 'कांतारा' को भी पीछे छोड़ कर इस साल की सबसे अधिक कमाई वाली फिल्म बन गई है। री-रिलीज फिल्मों भी की गई पसंद: इस साल बॉक्स ऑफिस पर पुरानी री-रिलीज फिल्मों का भी बोलबाला रहा। इन फिल्मों ने नॉस्टेल्जिया की वजह से दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित किया। इस सिलसिले में हैदराबाद भारत का री-रिलीज कैपिटल रहा। 'ये जवानी है दीवानी', 'सनम तेरी कसम', 'सालार', 'आदू' और 'रामावतार' जैसी टॉप श्रेयक फिल्में सबसे सफल रहीं। *

टॉप ट्रेडिंग ओटीटी शो

बीते कुछ वर्षों में एंटरटेनमेंट की एक समानांतर बुनिया विकसित हुई है। इन दिनों थिएटर में रिलीज फिल्मों के साथ-साथ ओटीटी शो को भी दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। 'द बैड्स ऑफ बॉलिवुड', 'ब्लैक वॉटर', 'पाताल लोक (सीजन 2)', 'पंचायत (सीजन 4)', 'मंडला मर्डर्स', 'खौफ', 'स्पेशल ऑप्स (सीजन 2)', 'आका: द बंगल चैप्टर', 'द फैमिली मैन (सीजन 3)' और 'किंगडम जस्टिस: ए फैमिली मैट्ट' जैसे ओटीटी शो को दर्शकों ने खूब पसंद किया।



दर्शकों को भाया 'द फैमिली मैन' (सीजन 3)